तापमान
अधिकतम 18.4 डिग्री
न्यूनतम 8.5 डिग्री

हरिभूमि
हिसार भूमि

रोहतक, सोमवार, 3 फरवरी 2025

11 मास्टर एथलेटिक चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता कौशल्या नेशनल में चयनित

12 बीड़ बबरान धाम महाभिषेक, हवन, बसंती महाश्रृंगार आरती, बसंती वस्त्र प्रसाद...

गुजवि देश में 68वां व 1001-1250वां स्थान पाने वाला प्रदेश का एकमात्र विवि

विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में 'इंजीनियरिंग' विषय श्रेणी में मिली रैंकिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

यहां का गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय लगातार अंतरराष्ट्रीय स्तर अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। गुजविप्रौवि ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रैंकिंग तथा मान्यता की सफलता की एक और उपलब्धि अपने नाम दर्ज की है। गुजविप्रौवि को विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025, इंजिनियरिंग विषय श्रेणी देश में 68वें स्थान पर तथा विश्व में 1001-1250वें स्थान पर रखा गया है। विश्वविद्यालय ने टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग श्रेणी में अपने स्कोर को 24.1-28.0 से बढ़ाकर 25.2-30.6 कर लिया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने रविवार को बताया कि टाइम्स द्वारा दुनिया भर से केवल 1488 संस्थानों तथा भारत के 87 संस्थानों को ही रैंकिंग दी गई है। हरियाणा राज्य से इस प्रतिष्ठित रैंकिंग में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने वाला गुजविप्रौवि एकमात्र राज्य सरकारी विश्वविद्यालय बना है। उन्होंने कहा कि 'इंजीनियरिंग' श्रेणी के अंतर्गत विश्वविद्यालय ने देश में अनुसंधान गुणवत्ता में 44वां स्थान, अनुसंधान वातावरण में 51वां स्थान तथा अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण में 79वां स्थान हासिल किया है।

कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय को 2021 से लगातार टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में स्थान मिल रहा है। उन्होंने बताया कि 'इंजीनियरिंग' विषय तालिका में टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 के समान ही विश्वसनीय एवं कठोर प्रदर्शन संकेतकों का उपयोग किया गया है, लेकिन अनुशासन के अनुरूप कार्यप्रणाली को फिर से जांचा गया है।विस्तृत विषय-विशिष्ट कार्यप्रणाली 2025 पर दुनिया भर के विद्यार्थी, शिक्षक, शिक्षाविद, सरकार व उद्योग विशेषज्ञ भरोसा करते हैं। यह 157 मिलियन उद्धरणों, 18 मिलियन

गुजवि के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई।

■ अनुसंधान गुणवत्ता में 44वां, अनुसंधान वातावरण में 51वां स्थान व अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण में 79वां स्थान मिला

शोध प्रकाशनों, वैश्विक स्तर पर 93,000 से अधिक विद्वानों के सर्वेक्षण प्रतिक्रियाओं पर आधारित है।

पांच प्रमुख संकेतों पर आधारित

प्रो. बिश्नोई ने बताया कि रैंकिंग पांच प्रमुख संकेतकों पर आधारित थी, जिन्हें पांच क्षेत्रों में बांटा गया था। इनमें शिक्षण, शोध वातावरण, शोध गुणवत्ता, उद्योग व अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण शामिल थे। इस रैंकिंग में विश्वविद्यालय का कुल स्कोर 19.5-25.5 है। विश्वविद्यालय ने शिक्षण में 10.6, शोध वातावरण में 10.1, शोध गुणवत्ता में 58.9, उद्योग में 19.1 व अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण में 19.8 अंक प्राप्त किए हैं। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि वर्तमान में विश्वविद्यालय का स्कोपस एच-इंडेक्स 131 है, जो इस क्षेत्र में सर्वाधिक है, जिसमें कुल प्रकाशन और उद्धरण क्रमशः 5206 और 1,18,874 हैं तथा औसत पेपर उद्धरण 22.83 है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर ने भी विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय तेजी से प्रगति कर रहा है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एनआईआरएफ 2024 में 'राज्य सरकारी वित्तपोषित विश्वविद्यालय' श्रेणी रैंकिंग में विश्वविद्यालय को 47वां स्थान और फामेर्सी श्रेणी में 55वां स्थान दिया गया है।

आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. आशीष अग्रवाल व उप निदेशक प्रो. कश्मीरी लाल ने भी विश्वविद्यालय के सभी हितधारकों को विश्वविद्यालय की एक और अंतरराष्ट्रीय मान्यता के लिए बधाई दी।

खबर संक्षेप

अवैध शराब की 18 बोतल के साथ एक काबू

हांसी। सीआईए स्टाफ ने अवैध अंग्रेजी शराब की 18 बोतल के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान प्रेम नगर निवासी नरेश के रूप में हुई है। सीआईए स्टाफ हांसी पुलिस को गश्त पड़ताल दौरान सूचना मिली थी कि उमरा गेट के समीप एक व्यक्ति अवैध शराब लेकर जा रहा है सूचना के आधार पर पुलिस ने पुरानी सब्जी मंडी के समीप एक व्यक्ति को शक के आधार पर रोककर तलाशी ली तो उसके पास से अंग्रेजी शराब की 18 बोतल बरामद हुई। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया।

पीओ स्टाफः दो उद्घघोषित अपराधी किए गिरफ्तार

हांसी। पीओ स्टाफ हांसी पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में दो उद्घघोषित अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान जींद जिले के गांव ईगराह निवासी अनिल व राजथल निवासी सुभाष के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार ईगराह निवासी अनिल को अदालत ने सदर थाना हांसी में दर्ज धमकी देने के मामले में व सुभाष को नारनौंद थाना में दर्ज एनडीपीएस के मामले में उद्घघोषित अपराधी करार दिया हुआ था। पुलिस ने पकड़े गए दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जहां न्यायालय के आदेशानुसार अनिल को बेल पर रिहा कर दिया गया व जबकि सुभाष को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

चोरी की मोटरसाइकिल सहित एक गिरफ्तार

हांसी। शहर थाना पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान उमरा निवासी कुलदीप के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पकड़े गए आरोपी ने 19 अक्टूबर को लाला हुक्म चंद जैन पार्क हांसी से मोटरसाइकिल चोरी की थी। आरोपी को गिरफ्तार कर उसके के पास चोरी किए गए मोटरसाइकिल को बरामद कर कब्जा पुलिस में लेकर आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के उपरांत उसको को बेल पर रिहा कर दिया गया।

युवाओं में कौशल विकास के लिए नए डिप्लोमा कोर्स शुरू करेगा एचएयू

वैज्ञानिक कम लागत में अधिक मुनाफा वाली कृषि पद्धतियां करें विकसितः वीसी

एचएयू के 56वें स्थापना दिवस पर कम पानी में अधिक उत्पादन देने जलवायु के प्रति सहनशील गुणवत्तापूर्ण किस्मों पर काम करने का दिया संदेश

हिसार। विवि के 56वें स्थापना दिवस को संबोधित करते कुलपति प्रो. कंबोज।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने वैज्ञानिकों से कम लागत पर अधिक मुनाफा देने वाली कृषि पद्वतियां विकसित करने का आह्वान किया है। हमें भविष्य में कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली, जलवायु के प्रति सहनशील, गुणवत्तापूर्ण किस्मों पर कार्य करने की जरूरत है।

कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज रविवार को एचएयू के 56वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भविष्य में विश्वविद्यालय को कृषि क्षेत्र में उत्पादन व गुणवता बढाने व प्रसंस्करण संबंधी और अधिक शोध करने होगें।

जल्द ही नए डिप्लोमा कोर्स शुरू किए जाएंगे

कुलपति ने स्थापना दिवस पर ऐलान किया कि युवाओं में कौशल विकास के लिए हकृवि में जल्द ही नये डिप्लोमा कोर्स शुरू किए जाएंगे। विश्वविद्यालय में छात्राओं कों मूलभूत सविधाओं और अधिक बढाने के लिए दो हॉस्टल बनाने का कार्य भी प्रगति पर है। एबिक के माध्यम से कृषि क्षेत्र में नये स्टार्टअप को बढावा मिल रहा है तथा ग्रामीण क्षेत्र में युवाओं के नवाचारों को स्वरोजगार में परिवर्तित व स्थापित करने में मदद मिल रही है, भविष्य में युवाओं को और अधिक स्टार्टअप स्थापित करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। सूचना तकनीक से किसानों को मौसम संबंधी, फसलों में कृषि क्रियाओं संबंधी सूचनाएं देने के कार्य को और अधिक तीव्र गति से देने पर जोर दिया।

विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर ये बोले कुलपति

प्रो. कम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि इस पवित्र दिन पर हमें विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को समझते हुए भविष्य की रूपरेखा तैयार करनी चाहिए। इस स्थापना दिवस पर हमें अपनी पूर्व में किए गए कार्यों से प्रेरणा लेते हुए भविष्य के लिए लक्ष्य निर्धारित करने हैं। विश्वविद्यालय में काम करने वाला हर कर्मचारी व अधिकारी प्रबधंन के सिद्धांतों को अमल में लाते हुए अपना योगदान देता है इसलिए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों में सभी पद के कर्मियों की अहम भूमिका रही। अपने 55 साल के इतिहास में खादय सुरक्षा में विश्वविद्यालय ने प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर अहम भूमिका निभाई व हरित क्रान्ति के अलावा पीली क्रान्ति में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कुलसचिव एवं कार्यक्रम के आयोजक डॉ. पवन कुमार ने स्वागत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अपने स्थापना के 56वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। हकृवि ने पिछले वर्ष दौरान अनेक उपलब्धियां हासिल की है जिसमें मुख्यतः 49 वैज्ञानिकों व अधिकारियों की सीधी भर्तियां की गई है तथा करीब 70 वैज्ञानिकों व 90 गैर शिक्षक कर्मचारियों की पदोनन्ति की है। गत वर्ष दौरान 200 से अधिक वैज्ञानिकों द्वारा राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण व सम्मेलन में भाग लिया। अधिष्ठाता स्नाताकत्तर अध्ययन डॉ. केडी शर्मा ने धन्यवाद किया जबकि मंच का संचालन छात्रा श्वेता ने किया। इस अवसर पर कैंपस स्कूल की निदेशिका श्रीमति संतोष कुमारी, विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी एवं विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

प्रतिमाओं पर माल्यार्पण से कार्यक्रम किया शुरू

हकृवि के 56वें स्थापना दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों की शुरूआत कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने स्व. चौधरी चरण सिंह, स्व. चौधरी देवीलाल व स्व. डॉ. मंगल सेन की प्रतिमाओं पर माल्यापर्ण करके की।

हिसार। विवि के कुलपति पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए।

पुस्तकें पढ़ने से मिलती मन को एकाग्रता : प्रो. बीआर कम्बोज

हिसार। एचएयू के 56वें स्थापना दिवस पर कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने नेहरू पुस्तकालय में तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ किया।कुलपति ने रविवार को पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती हैं। इसलिए इनके अध्ययन से न केवल मन को एकाग्रता मिलती है बल्कि व्यक्ति का मानसिक व अध्यात्मिक विकास भी होता है।

कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने बताया कि किताबें पढने से न सिर्फ ज्ञान बढता है बल्कि बोलने और लिखने की क्षमता में बढोतरी होती है। किताबें पढने से दूसरों की जीवन कथा व उनके संघर्ष को समझ कर व्यक्ति को अपने जीवन में सही फैसले लेने में मदद मिलती है। मनपंसद किताबें पढनें से तनाव कम होता है और ज्ञान बढता है। पुस्तकें व्यक्ति की याद रखने की क्षमता को भी बढाती है। उन्होनें बताया कि पुस्तक प्रदर्शनी में शोधार्थियों के लिए नवीनतम शोध तकनीक संबंधी अंतर्राष्ट्रीय स्तर के जर्नल व मैग्जीन भी उपलब्ध हैं। इस पुस्तक प्रदर्शनी में देश के 16 जाने-माने पब्लिशर्स हिस्सा ले रहे हैं।

पुस्तकाल्याध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने बताया कि इस प्रदर्शनी में एग्रीकल्चरल साइंसेज, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, एग्री-बिजनेस, अलाइड साइंसेज, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, होम साइंसेज, फिशरीज व जनरल नॉलेज इत्यादि विषयों की पुस्तकों को प्रदर्शित किया जाएगा। विश्वविद्यालय की फैक्लटी द्वारा चयनित की गई पुस्तकों का अधिग्रहण नेहरू पुस्तकालय में पाठकों की सूचना आवश्यकता की पूर्ति के लिए किया जाएगा। इस पुस्तक प्रदर्शनी में सामान्य पाठक भी अपने आवश्यकता की पुस्तकें खरीद सकते है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी एवं विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, चालक किसान की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

■ सिसाय गांव में खेतों में पानी देकर वापस लौट रहा था कृष्ण कुमार

गांव सिसाय में खेत में अपनी फसलों में पानी लगा कर घर लौट रहे एक बाइक चालक किसान को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार किसान की मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपने के बाद केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

जयसिंह ने बताया कि वे दो भाई हैं और मैं हिसार कैंट में एमजी मोटर्स में डेंटर का काम करता हूं और मेरा छोटा भाई कृष्ण कुमार गांव में खेत हिस्से पर लेकर खेतीबाड़ी का काम करता था। कृष्ण कुमार शनिवार शाम को खेत में फसल में पानी लगा कर वापस घर आ रहा था कि रास्ते में किसी अज्ञात वाहन चालक ने उसके बाइक को टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। उसके चाचा के लड़के सोनू ने उसे हादसे की सूचना दी और उसके बाद वो कृष्ण को उपचार के लिए हांसी के निजी अस्पताल में लेकर गये लेकिन वहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए हिसार रेफर कर दिया और जब वे कृष्ण को हिसार के निजी अस्पताल में लेकर पहुंचे तो वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कृष्ण का एक 9 साल का लड़का है।

जिला वैटरन बैडमिंटन प्रतियोगिता 8 से

हिसार। जिला हिसार की मास्टर्स/वैटरन खिलाड़ियों की प्रतियोगिता व सिलेक्शन ट्रॉयल विद्युत नगर के बैडमिंटन हॉल में 8 फरवरी को होगी। इसमें हिसार जिला के खिलाड़ी ही भाग ले सकते हैं। प्रधान डॉ. कमल शर्मा ने रविवार को बताया कि इसमें प्लस 35 आयु वर्ग से लेकर प्लस 75 आयु वर्ग के एकल, युगल तथा मिश्रित युगल के महिला तथा पुरूषों चयनित खिलाड़ी 22 से 25 फरवरी तक अंबाला में होने वाली मास्टर्स/वैटरैंस स्टेट चैम्पियनशिप में हिसार जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी अपना पंजीकरण कोषाध्यक्ष अनिल शर्मा के पास करा सकते हैं। प्रतियोगिता 8 फरवरी शनिवार को सुबह 9:00 बजे विद्युत नगर बैडमिंटन हॉल में प्रारंभ होगी।

धोखे से स्क्रीन शॉट दिखा 12 हजार की ठगी के दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ आदमपुर

एबीवीटी व आदमपुर पुलिस ने सीएससी सेंटर पर काम करने वाले व्यक्ति से 12 हजार रुपए की ठगी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें अग्रोहा निवासी संदीप और चुली कलां निवासी प्रमोद शामिल हैं।

एसआई राजेश ने बताया आरोपियों ने 8 जनवरी को सीएससी सेंटर कर्मचारी से फोन पे से रुपये भेजने का स्क्रीन शॉट दिखाकर 12 हजार रुपये की ठगी की थी। गांव सारंगपुर निवासी विक्रम ने थाना आदमपुर में शिकायत दी थी। जिसमें बताया कि वह सीएससी सेंटर पर काम करता है। 8 जनवरी की बाद दोपहर करीब 4.15 बजे पर वह दुकान पर बैठा था कि मोटरसाइकिल सवार दो युवक आए जिनमें से एक ने हेलमेट पहना हुआ और दूसरे ने मास्क लगा रखा था। वह दुकान के अंदर आया व 12 हजार फोन पे से भेजने का स्क्रीन शॉट दिखाकर धोखे से नकद 12 हजार रुपये ले गया। पुलिस ने केस दर्ज करके छानबीन करते हुए दोनों आरोपियों संदीप और प्रमोद को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 6 हजार रुपए और वारदात में प्रयोग बाइक व मोबाइल बरामद किया है। आरोपियों को पूछताछ के बाद अदालत ने जेल भेज दिया।

फर्जी आधार कार्ड तैयार कर सिम कार्ड देने का आरोपी एजेंट गिरफ्तार

■ टॉरगेट पूरा करने के लिए बनाता था फर्जी आधार कार्ड

हिसार। साइबर पुलिस ने आधार कार्ड की फोटो कॉपी एडिट कर फर्जी तरीके से सिम कार्ड जारी करने के मामले में आरोपी ढाणी लाखपुल निवासी विनोद को गिरफ्तार किय है। उस पर थाना साइबर हिसार में 27 अगस्त 2023 को केस दर्ज किया गया था। एसआई सौरभ ने बताया कि पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी वोडाफोन कंपनी में सिम डिस्ट्रिब्यूशन के लिए एजेंट के रूप में काम करता था। सिम लेने के लिए आने वाले कस्टमर के आधार कार्ड की फोटो अपने पास रखते और कंपनी द्वारा दिए गए टारगेट को पूरा करने के लिए ग्राहक द्वारा दिए गए आधार कार्ड की फोटो कॉपी को एडिट कर,उस पर दूसरा सिमकार्ड जारी कर देता। फर्जी आधारकार्ड पर जारी किए गए फर्जी सिम काड्र्स को ब्लॉक कर दिया था। वोडाफोन आइडिया कंपनी के रिप्रजेंटिव अधिकारी सतीश की जाली दस्तावेजों पर नए सिमकार्ड जारी करने के संबंध में दी गई शिकायत पर हिसार साइबर थाना में केस दर्ज किया गया था। आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया।

दुकान का तोड़ा ताला, तीन दर्जन मोबाइल फोन चोरी

आदमपुर। आदमपुर अनाज मंडी से दुकान का ताला तोड़कर चोर लाखों रुपयों के मोबाइन फोन चुरा कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में आशीष गुप्ता ने बताया कि उसकी अनाज मंडी में बूथ नंबर 28 में सुनील कुमार आशीष कुमार के नाम से दुकान है। वह वारदाने का काम करता है। पिछले 10-15 दिनों में उसने आनलाइन मोबाइल फोन अलग-अलग कंपनियों के खरीद किये थे। गत दिवस रात्रि को करीब साढ़े सात बजे वह दुकान बंद करके अपने घर चला गया। अगले दिन सुबह करीब 10 बजे वह दुकान पर आया तो उसकी दुकान का ताला टूटा हुआ था और उसने अंदर जाकर देखा तो दुकान में रखे करीब 36 मोबाइल फोन अज्ञात व्यक्तियों द्वारा चोरी किए हुए थे। उसने अपने स्तर पर चोरों को पता लगाने की कोशिश की लेकिन उसे कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस ने आशीष की शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू की है।

उकलाना सर्वजातीय खाप का गठन 20 गांवों ने हरपाल को चुना प्रधान

उकलाना मंडी। उकलाना क्षेत्र के 20 गांवों की बैठक खरखड़ा में हुई। जिसमें संगठन का नाम सर्वजातीय खाप उकलाना रखा गया और मौजूद लोगों ने हरपाल सिंह पातड को अध्यक्ष चुना। जिसका उद्देश्य क्षेत्र के विभिन्न जाति धर्म के लोगों को एक संगठन बनाना व विकास करना है। इस बैठक में मोती राम, पृथ्वी राम, सुभाष गढाई सरपंच खरखड़ा, सुखविंदर सिंह सरपंच बुढ़ाखेड़ा, निहाल सिंह सरपंच भैनी बादशाहपुर, मोतीराम, रामू नंबरदार, अनिल पंच साहू, सत्यवान पंच, सुरेंद्र बोलान गाजूवाला, ओमाराम पूर्व पार्षद, रामेश्वर भाटीवाल, आत्माराम, कृष्णा फ्रंड, सतबीर सेलवाल, राममेहर सेलवाल, धूपसिंह सेलवाल, डॉ. नवीन, चमन, राजा, रविंदर, रामअवतार, सतीश, कृपाल, सतीश वर्मा, रोशन, महावीर व रमेश पंच मौजूद रहे।

बुडाना हत्याकांडः खाप ने मांगा इंसाफ, 51 सदस्यीय कमेटी गठित

16 को उत्तर भारत की खापें लेंगी बड़ा फैसला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौंद

करीब ढाई महीने पहले गांव बुडाना में कृष्णा और जयवीर की गांव के ही दो युवकों ने बेहरमी से हत्या कर दी थी। इस मामले के मुख्य दो आरोपित पुलिस पकड़ चुकी है। पुलिस की जांच से असंतुष्ट होकर ग्रामीण पिछले ढाई महीने से धरना दे रहे हैं।

रविवार को गांव में महापंचायत का आयोजन किया गया। जिसमें 51 सदस्य कमेटी का गठन कर 16 फरवरी को उत्तर भारत की सभी खाप पंचायतों को निमंत्रण दिया। अगर 15 फरवरी तक न्याय नहीं मिला तो 16 फरवरी को बड़ा फैसला लेकर आर पार की लड़ाई का ऐलान किया जाएगा। महापंचायत की अध्यक्षता ढांडा गोत्र के संरक्षक जियालाल ने की। महापंचायत में मौजूद मास्टर चंद्रप्रकाश, जयबीर ढांडा, संदीप भारती, नरेश गतोली, शमशेर सिंह, राजेंद्र, शीलू लोहान, राजेश गिल, हरकेश, मनदीप, गुरमीत, ओमप्रकाश लाम्बा, काला गामड़ा इत्यादि ने बताया कि 5 नवंबर को जयवीर और 16 नवंबर को कृष्ण की हत्या कर दी गई थी। अगर पुलिस प्रशासन सही तरीके से कार्रवाई करता तो कृष्णा की हत्या नहीं हो पाती। इस मामले के मुख्य आरोपितों को पुलिस बचाने का प्रयास कर रही है। इस मामले के मास्टरमाइंड को भी पुलिस पकड़ने से झिझक रही है। न्याय की मांग को लेकर ग्रामीण पिछले ढाई महीने से धरना दे रहे हैं। पुलिस प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं कर रहा। इस मामले को लेकर पुलिस के उच्च अधिकारियों से भी मुलाकात कर चुके हैं। लेकिन अभी तक इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों की मांग है कि इस मामले के मास्टरमाइंड को जल्द से जल्द पकड़ा जाए। अन्यथा 16 फरवरी को उत्तर भारत की खाप पंचायतें बड़ा निर्णय लेकर आर पार की लड़ाई की रूपरेखा तैयार करेगी। इसके लिए 51 सदस्यों की कमेटी का गठन कर दिया गया है। जो की खाप पंचायत व अनेक सामाजिक संगठनों से संपर्क करके उनको न्योता दिया जाएगा।

नारनौंद। महापंचायत में अपनी बात रखते हुए संदीप भारती।

प्रमुख समाजसेवी मास्टर चंद्र प्रकाश ने फैसला सुनाया और पुलिस और सरकार को 16 फरवरी तक का अल्टीमेटम दे दिया। इससे पहले कमेटी प्रदेश के मुख्यमंत्री से मुलाकात करने का भी प्रयास करेगी। इस अवसर पर दीपक ढुल, अमरजीत लोहान, जगदीश गामड़ा,नरेश ढांडा, बलवान लोहान, सरपंच सत्यवान सत्तू इत्यादि विशेष तौर पर मौजूद रहे।

किसी भी मनुष्य की इच्छाशक्ति अगर उसके साथ हो तो वह कोई भी काम बड़े आसानी से कर सकता है। इच्छाशक्ति और दृढ़संकल्प मनुष्य को रंक से राजा बना देती है।

– महर्षि वाल्मीकि

मैं नहीं जानती कि तुम्हारी यादों में मेरा कोई अंश बाकी है या नहीं, मगर मेरी यादों में तुम हर पल रहे। तुम्हारे सिवा मेरा था भी कौन। जिनके लिए मैंने तुमसे दूर जाने का निर्णय लिया था, वो मेरे कभी थे ही नहीं। मैं वृद्धाश्रम में हूं जब मैं अशक्त हो गई, मेरे अपने मुझे यहां छोड़ गए। ईश्वर के घर से न जाने कब बुलावा आ जाये इसलिए तुम तक अपनी आखिरी ख्वाहिश पहुंचाना चाहती हूं।

कहानी

शोभा गोयल

अंतिम संस्कार

दादू आपकी चिट्ठी आई है। जब पोती आरु ने अविराम को चिट्ठी पकड़ाई तो वह सोच में पड़ गया। व्हाट्सएप और टेलीग्राम के जमाने में चिट्ठी कौन लिख सकता है मुझे यूं लिखने वाला। अविराम उस खत को उलट-पुलट कर देखने लगा। भेजने वाले नाम की जगह लिखा था 'मेरा घर वृद्धाश्रम'। मेरा तो किसी भी वृद्धाश्रम में कोई जान-पहचान का नहीं रहता। फिर यह अजनबी कौन है। उसने जल्दी से खत खोला...

प्रिय अविराम,

मैं अद्वितिया, जब तुम मुझे छोड़ कर गए थे, तब यह नाम देकर गए थे। मैं नहीं जानती कि तुम्हारी यादों में मेरा कोई अंश बाकी है या नहीं, मगर मेरी यादों में तुम हर पल रहे। तुम्हारे सिवा मेरा था भी कौन। जिनके लिए मैंने तुमसे दूर जाने का निर्णय लिया था, वो मेरे कभी थे ही नहीं। मैं वृद्धाश्रम में हूं जब मैं अशक्त हो गई, मेरे अपने मुझे यहां छोड़ गए। ईश्वर के घर से न जाने कब बुलावा आ जाये इसलिए तुम तक अपनी आखिरी ख्वाहिश पहुंचाना चाहती हूं। मेरी मृत्यु के पश्चात तुम जिस भी नाते से मेरा अंतिम संस्कार करना चाहो, कर देना, यह अधिकार मैं तुम्हें देती हूं। यदि तुम किसी कारणवश मेरा अंतिम संस्कार करने में सक्षम ना हो तो अपने ऊपर कोई बोझ नहीं रखना।

मैं जानती हूं कि कभी-कभी कुछ परिस्थितियां अनुकूल नहीं होती। बस तुम मेरे लिए इतना कर देना कि इस खत को वापस वृद्धाश्रम में भेज देना। मैं वृद्धाश्रम के मैनेजमेंट को हक देती हूं कि वह मुझे लावारिश घोषित करके जैसे चाहे, वैसे मेरी मृत देह के साथ व्यवहार कर सकते हैं।

तुम्हारी अद्वितीया।

खत पढ़कर अविराम पास ही रखी कुर्सी पर बैठ गया। अतीत की स्मृतियों के कुछ पन्ने अपने आप पलटने लगे। तीस साल पहले गांव से पढ़ाई करने के लिए वह जयपुर आया था। पापा के किसी परिचित ने सुभाष अंकल के घर में एक कमरा दिलवा दिया। वहीं आंचल से मुलाकात हुई। वह सुभाष अंकल की बेटी है। आंचल एक कान्वेंट स्कूल की छात्रा थी। फर्राटेदार अंग्रेजी बोलने के साथ-साथ उस ज़माने में स्कूटी भी चलाती थी। मैं एक साधारण देहाती अंग्रेजी में ए बी सी के अलावा कुछ नहीं आता था। मैंने पहली बार जब आंचल को देखा तो देखता ही रह गया। उसकी भूरी आंखों में कुछ बनने के सपने चहक रहे थे। उसके हाथ में किताबें महकती थी। सिविल सेवा पास करने का उसने सपना देखा था। वह रोज डायरी लिखती थी। जिसे वह हर किसी से छुपा कर रखती। 'डायरी में लिखते समय तारीख दिन, महीना दर्ज करती हो क्या?' एक दिन मैंने यूं ही पूछ लिया था। वह मुस्कुरा दी 'डायरी में यह सब तो पहले से ही दर्ज होते हैं बुद्धू, मैं मन का लिखती हूं।' वह बेपरवाह थी। उसकी आंखें, उसका मन और उसका स्वभाव जाने कितनी ही कहानियां रचता था। वह एक नाव थी जिसे कई पुल पार करने थे। वह सबसे अलग थी, बिल्कुल जुदा.. जहां और लड़कियां मेकअप करती, सुनहरे सपने सजाती, घर के कामकाज में दिलचस्पी लेती, वही आंचल की दुनिया में यह सब नहीं था। उसके सपनों में नीली बत्ती वाली गाड़ी होती। सुभाष अंकल को उस पर नाज था और होता भी क्यों नहीं, आंचल दसवीं बोर्ड परीक्षा में मैरिट में आयी थी। अखबार वाले उसका इंटरव्यू ले रहे हैं। टीवी वाले उसकी न्यूज़ दिखा रहे हैं और वह इन सबसे बेखबर ग्यारहवीं कक्षा में क्या विषय लेना है, इसी सोच में डूबी हुई है। 'मैं साइंस लूं या (आर्ट्स' -उस दिन उसने मुझे पूछा। 'तुम्हें जो पसंद हो, वही लो। जिसे तुम आसानी से पढ़ सको। तुम पर दबाव थोड़े ना है' - मैंने कहा।

उसने बहुत सोच समझकर कला संकाय (आर्ट्स विषय) चुना। मुझे आंचल अच्छी लगती थी। बस उसका नाम पसंद नहीं था। इसकी वजह यह कि मेरी मां का भी यही नाम था। मेरे जन्म के छह महीने बाद वे मुझे छोड़ कर चली गई अपने प्रेमी के साथ..फिर कभी नहीं लौटी। जब तब दादी या बुआ मुझे ताने देती, तंज कसती। पापा पर दूसरी शादी का दबाव डालती। मैं मन ही मन कुढ़ कर रह जाता। मैं मां से नफ़रत करने लगा। पापा ने मेरी खातिर दूसरी शादी नहीं की। उन्होंने मुझे बहुत प्यार से पाला। मेरी हर जरूरत को पूरा किया।

कुछ बनने की तमन्ना लिए मैं शहर आया था। अंकल ने मेरा पढ़ाई के प्रति रूझान देखकर आंचल को मुझे अंग्रेजी पढ़ाने को कह दिया। शुरू-शुरू में वह मुझे बहुत डांटती थी, फिर धीरे-धीरे अच्छे से समझाने लगी। उसी के पढ़ाने का नतीजा था कि मैं कुछ दिनों में अंग्रेजी पर अच्छी पकड़ बना चुका था। इस पढ़ने-पढ़ाने के बीच हम दोनों के बीच कुछ पनपने लगा था।

हम दोनों को एक-दूसरे का साथ भाने लगा। एक-दूसरे से मिलने के लिए बहाने ढूंढने लगे। कहते हैं कुछ लोगों के बिना दुनिया पूरी नहीं होती। आंचल मेरी जिंदगी का वही हिस्सा बन चुकी थी। सुख-दुख की अनकही साथी। अक्सर मेरे उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रार्थना करती थी। उसने मुझे एमबीए करने की सलाह दी। न केवल सलाह दी बल्कि मेरा फॉर्म भरवाया। परीक्षा की तैयारी करवाई और एमबीए की डिग्री दिलवा कर ही दम लिया।

मैं अक्सर उससे कहता- "तुम्हारा अहसान कभी नहीं भुलूंगा। तुमने मेरी जिंदगी बदल दी। मेरी दुनिया बेरंग थी, तुमने इसमें इंद्रधनुष के रंग सजा दिए।" वह मुस्करा कर अपना हाथ मेरे हाथ पर रख देती और कहती 'हम हमेशा एक-दूसरे के रहेंगे।'

एक दिन मैंने उसके बालों में हाथ फिराते हुए कहा- "तुम अपना नाम क्यों नहीं बदल लेती।"

"क्या खराबी है इस नाम में, मुझे यह नाम बहुत पसंद है" वह बोली।

'मेरी मां का भी यही नाम था। आंचल नाम रखने से कुछ नहीं होता। उन्होंने मुझे कभी अपने आंचल में नहीं लिया बल्कि अपने स्वार्थ के कारण मुझे छोड़ कर चली गई, मैं अकेला रह गया। मां के होते हुए भी मां विहीन रहा। मां ने न सात फेरों की लाज रखी और न ही अपनी ममता का मान रखा।' इससे पहले कि मैं मां को कुछ उल्टा-सीधा कहता, आंचल ने मेरे मुंह पर हाथ रख दिया। ऐसा ना कहो अविराम, वह तुम्हारी मां है। तुम्हें छोड़ते समय उनका हृदय कितना तड़पा होगा, इसका अंदाजा तुम्हें कतई नहीं है। शादी के बंधन में कोई ऐसी बात जरूर रही होगी, जिसके कारण उन्होंने यह निर्णय लिया। प्यार हिम्मत देता है जीने का संबल बनता है। प्रेम कभी गलत मार्ग नहीं चुनता। जो हमें दिखाई दे, जरूरी तो नहीं कि वही सच हो।

तुम अपने पूर्वाग्रह से बाहर निकलो। तुम्हारे मन में अपनी मां के प्रति जो छवि है, उसे साफ करो। अपनी मां को माफ कर दो। वो प्यार में थी। हम भी तो प्यार में हैं। हमारे मन में कोई बदगुमानी नहीं होनी चाहिए। मेरा नाम आंचल है और यही रहेगा। अब तो तुम्हारी नौकरी भी लग गई। कब बारात लेकर आ रहे हो?

'पहले तुम आईएएस क्लियर करो। मैं चाहता हूं कि तुम दुल्हन बनने से पहले अधिकारी बनो।' अविराम ने उसका गाल थपथपाते हुए कहा। हम दोनों के बीच में तय हुआ कि आंचल का सिविल सर्विस परीक्षा पास होने के बाद हम दोनों अपने घर वालों को अपनी पसंद के बारे में बता देंगे। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। इसी बीच सुभाष अंकल की एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई। आंटी को अंकल की मृत्यु का गहरा सदमा लगा वो अपनी सुध-बुध खो बैठी। घर चलाने के लिए कमाना ज़रूरी था। आंचल को अनुकम्पा नियुक्ति (नौकरी) मिल गयी। घर की सबसे बड़ी संतान होने के कारण उसने घर और अपनी छोटी दो बहनों और एक भाई की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। सिविल सर्विस का सपना हवा हो गया। घर के हालात बदल गए। जब तक उसके भाई-बहन काबिल न बन जाते तब तक उसके लिए शादी करना मुनासिब नहीं था।

आखिरी मुलाकात में उसने कहा था - 'मैंने तुम्हें चाहा है और तुम्हारे अलावा मैं किसी और के बारे में सोच भी नहीं सकती, मगर मेरी परिस्थितियां अभी मुझे शादी करने की इजाजत नहीं देती हैं। हमारा साथ यही तक था। तुम अविराम हो अर्थात न रुकने वाले। अपने नाम के अनुरूप रहना। तुम नित नयी ऊंचाइयों को छुओं और सफलताओं के नये सोपान बनाओ और अपनी नयी शुरुआत करो। यही मेरी दिली इच्छा है।'

मैं उसके त्याग और समर्पण से अभिभूत हो गया। आंचल तुम सच में अद्वितीया हो, तुम जैसा कोई दूजा ना होगा। तुम अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाओ। मैं तुम्हारी जिम्मेदारी में हाथ बंटाना चाहता हूं। तुम्हारे साथ चलना चाहता हूं। 'नहीं अवि, तुम्हारे पिता ने तुम्हारे लिए बहुत सारे सपने देखे हैं और तुम्हारा फर्ज बनता है कि तुम उन्हें पूरा करो। प्यार कभी बेड़ियां नहीं बनता। तुम्हें उनके लिए जाना होगा। हमे अपने अपने कर्तव्य निभाने हैं'-आंचल ने अविराम को समझाया।

मैं उसे उसके कर्तव्य पथ छोड़ कर चला आया। जिंदगी की दौड़ में मैं बहुत आगे निकल आया। हर मुकाम हर यात्रा में आंचल की याद आयी लेकिन मैं उसके पास वापस नहीं लौट सकता था। उसने कहा था यदि कभी मैं उसके सामने गया तो वह अपने फर्ज निभाने में कमजोर पड़ जाएगी। मैं आंचल की हिम्मत बनना चाहता था उसकी कमजोरी नहीं।

आज उसके इस खत ने फिर से हमारे प्यार को जीवंत कर दिया। मैं मन ही मन बुदबुदाया- आंचल तुम मेरी जिंदगी का सबसे खूबसूरत हिस्सा हो। तुम्हें किसी से क्यों छुपाना। मेरी पत्नी को तुम्हारे बारे में सब पता है, उसे हमारे प्यार पर हमेशा फ़ख़्र रहा है। यूं तुम्हें लावारिस करार देना मेरे प्यार की तौहीन होगी।

तुम मेरे जीवन की सुखद परिभाषा हो और मेरी खामोशी की हकदार भी। जीते जी मैं तुम्हारा साथ दे न सका पर आखिरी ख्वाहिश जरूर पूरी करूंगा। और मैं गूगल पर 'मेरा घर वृद्धाश्रम' सर्च करने लगा।

कविता

दिनेश कुमार

ऊषा काल की रश्मि

रंगों की अद्भुत माया, रंगों की हर बात है न्यारी।
छोटी सी कूंची से आ जाए, कैनवास पर दुनिया सारी।

तेरी तूलिका से उभरते, सपनों के अनगिन चेहरे।
तेरे रंगों में बसते, जीवन के प्यारे पहरे।
तेरे संग ये दुनिया सारी, चित्रकला सी लगती न्यारी।
छोटी सी कूंची से आ जाए, कैनवास पर दुनिया सारी।

तेरे कागज पर जो बहती, कल्पनाओं की वो धारा।
उसमें झलकती सृष्टि हमारी, तू ही सबका उजियारा।
तेरी हर रचना से चमकती, एक नई सुबह की तैयारी।
छोटी सी कूंची से आ जाए, कैनवास पर दुनिया सारी।

तू संगीत है, तू कविता है, तू खुद में एक सजीव कला है।
तेरे जन्मदिन पर कहते हम, कभी कभी तू खास बला है।
पल भी व्यर्थ न होने पाए, तो नापोगी दुनिया सारी।
छोटी सी कूंची से आ जाए, कैनवास पर दुनिया सारी।

जन्मदिन मुबारक हो तुझे, ओ रंगों की चितवन छाया।
तेरी हर कृति में बसे, अच्छे सच्चे सपनों की माया।
ज़िद्दीपन को बदल विनय में, तब सही हो राह तुम्हारी।
छोटी सी कूंची से आ जाए, कैनवास पर दुनिया सारी।

16 सावन बीत चुके, 100 सालों के सपने लिए।
हकीक़त में करने की बारी, मेहनत के जलाकर दीए।
काम बोले सिर चढ़, अपनी प्रतिभा कभी न हारी।
छोटी सी कूंची से आ जाए, कैनवास पर दुनिया सारी।

ऊषा काल की रश्मि अब तक, मध्याह्न की बनो दिवाकर।
गर्मी-शीतलता के मौसम, चाहे हो बारिश की रिमझिम।
सबके साथ रहे सामंजस्य, हर मौसम जाए बलिहारी।
छोटी सी कूंची से आ जाए, कैनवास पर दुनिया सारी।

तेरे सपनों के घोड़ों पर, हो सवार मेधावी दिमाग।
सोचे अच्छा, काम हो पक्का, मुफ्त की ना चाहिए खैरात।
एक-एक पग बढ़ते जाना, यही है जीवन की तैयारी।
छोटी सी कूंची से आ जाए, कैनवास पर दुनिया सारी।।

ग़ज़ल

श्रीभगवान बव्वा

नये दौर का ये चलन

नये दौर का ये चलन देखिएगा,
हुआ लापता सा अमन देखिएगा।

सरे-आम ठुमके लगाता गली में,
बदल सा रहा है भजन देखिएगा।

बिना आग के ही मुहल्ला जला है,
पड़ोसी है हँसा तो जलन देखियेगा।

किया हाल जिसने बुरा है हमारा,
करेगा सभाएँ - मनन देखियेगा।

सभी की उंगलियां उठी हैं उसी पर ,
उसी का हुआ है हनन देखिएगा।

ग़ज़ल

राज'श्री

कर्ज तेरे फर्ज का

कर्ज तेरे फ़र्ज का जिस दिन अदा हो जाएगा।
हक में तेरे रब का भी सब फैसला हो जाएगा।

दर्दे-दिल, दर्दे-जिगर सीने में अपने ले छिपा,
दर्द हद से गर बढ़ा, तो ख़ुद दवा हो जाएगा।

इश्क़ तुझको है हमीं से कह रही है हर नज़र,
लब से भी कह दोगे तो हमको नशा हो जाएगा।

मयक़दे में बैठ कर जब रिंद ने तौबा किया,
मान लूँ कैसे कि अब वो पारसा हो जाएगा।

कोई मजबूरी रही होगी जो हम से दूर है,
बेवफ़ा कहने से क्या वो बेवफ़ा हो जाएगा।

हर सितम मंज़ूर है, इस 'राज' को जानेजां,
दूर जाना आपका मेरी क़ज़ा हो जाएगा।

कविता

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

ये चाहत सदा जीती रहे

वसंत की गुनगुनी छाया में, फिर प्रेम का मौसम आया है,
कोयल की मीठी तानों ने, मन का मधुबन महकाया है।

पात झरकर नई कली बनते, शाखें प्रेम संदेश कहें,
भीगी पवन में तेरी ख़ुशबू, ये मन तेरा एहसास रहे।

गुलाबी भोरें, सिंदूरी संध्या, तेरी छवि से रंगीन लगे,
तू चुपके से मेरे पास खड़ी, हवा भी तुझसे सजी लगे।

सरसों के पीले फूलों संग, मन में इक चाह जगी नई,
तू पास रहे तो वसंत रहे, वरना हर ऋतु लगे ठहरी सी।

तेरी हँसी में बहारों की लय, तेरी बातों में रंग हज़ार,
तेरी नज़र से ग़ज़ल कहे ये, ऋतुएँ बन जाएं ख़ुमार।

चलो संग बैठे किसी छाँव में, झरनों की मीठी तान सुने,
तेरे मेरे इस मिलन कथा में, फिर प्रेम की एक जान बुने।

ओ वसंत ! तू साक्षी रखना, ये प्रीत कभी न फीकी हो,
हर फूल गवाही देता रहे, ये चाहत सदा ही जीती रहे।

खुशबू जैन

भ्रष्टाचार

अरे ओ शलीन की मां, चाय किधर है? जल्दी ले आ। आजकल तो अखबार पढ़-पढ़कर सिर फटा जा रहा है। शलीन के पिताजी भाटिया जी परेशान अवस्था में चिल्लाते हुए बोले।

'क्या हुआ शलीन के पापा, इतने परेशान क्यों लग रहे हो?

'क्या बताऊँ शलीन की माँ, देख ज़रा, देश दुनिया का हाल, दिन पर दिन भ्रष्टाचार बढ़ रहा है।

शलीन की माँ व्यंग्य कसते हुए कहती है, 'हम्म ये भी कोई नई बात है'। नई बात! अरे लोगों को पता ही नहीं किसे वोट दें, किसे नहीं। आये दिन इतने झगड़े, खून खराबा, सड़कों पर, मारपीट, गद्दारी, और तो और गद्दियों पर वो लोग हैं जिन्हें अ अनार लिखना नहीं आता। 2 का पहाड़ा नहीं आता। तू ही बता कैसे देश का भला होगा। बस ये जनता भेड़चाल है। लोगों को समझ नहीं है। कोई अपना काम ढंग से नहीं करता। पैसे के लालच में न जाने किस किस को वोट देते हैं।

इतना कहकर स्वयं ही चुप्पी साध कहते हैं, चल छोड़, अब क्या बताएं, कुछ नहीं हो सकता लोगों का, देश का। चल अब अच्छे से तैयार हो जा, आज शर्मा जी के यहां जाना है , उन्हें धन्यवाद कहना है। मैंने एक गिफ्ट भी ले लिया है। शर्मा जी के , क्यों :- हैरानीपूर्वक शलीन की मां कहती हुई।

अरे पगली भूल गयी, अपने शलीन बेटे की नौकरी में इन्ही का तो हाथ है। आज गर ये अपनी सिफारिश से नौकरी न लगवाते तो इतनी बड़ी नौकरी मिल पाती क्या उसे ? पर.... कहते हुए शलीन की मां, कुछ कहती, इससे पहले भाटिया जी बोले,'चल जाने दे, अब टाइम खराब न कर, जल्दी तैयार हो जा, लेट हो जाएंगे। बेबस आंखें कुछ न कहने को मजबूर और उधर भ्रष्टाचार गुलाटी मारकर मजे से बैठा है।

आधुनिक युग में साहित्य को लेकर साहित्यकार भावना सक्सैना का कहना है कि साहित्य की हर युग में अपनी महत्ता है, चाहे वह प्राचीन साहित्य हो या फिर वर्तमान में लिखा गया साहित्य। आज के समय में भी साहित्य को नए आयाम मिले हैं। पॉडकास्ट व अन्य डिजिटल माध्यमों से इसकी पहुंच बढ़ी है। इस युग में हर व्यक्ति के पास अच्छे साहित्य का भंडार उपलब्ध हो सकता है, बस उसे सतर्क रहने की आवश्यकता है।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

साहित्य में मानवीय रिश्तों को सर्वोपरि रखना जरूरी: भावना

साहित्य जगत में समाज के परिदृश्य को सकारात्मक ऊर्जा देने के मकसद से लेखक एवं साहित्यकार अपनी विभिन्न विधाओं में साहित्य साधना से हिंदी, संस्कृति और सभ्यता का संवर्धन करने में जुटे हैं। ऐसे लेखकों में शुमार महिला साहित्यकार भावना सक्सैना ने संपूर्ण शिक्षा अंग्रेजी में पूरी करने के बावजूद भारत में ही नहीं, बल्कि विदेश में भी हिंदी के प्रचार-प्रसार को महत्ता दी है। खासतौर से हरियाणा में ऐसे चुनिंदा लेखकों में शायद महिला लेखक के रूप में भावना सक्सैना ऐसी साहित्यकार हैं, जिन्होंने विदेश में रहते हुए प्रवासी साहित्य पर शोध के जरिए अपनी लेखनी से कहानी, आलेख, लघुकथा, कविता और हाइकु जैसी विधाओं में अपने रचना संसार का परचम लहराया है। केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो में वरिष्ठ अनुवादक एवं लेखिका भावना सक्सैना ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से बातचीत में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को साझा किया है, जिन्होंने अपनी रचनाओं में मानवीय रिश्तों को सर्वोपरि माना है, जो उनके लेखन की अनुभूतियों की अभिव्यक्ति को प्रकट करता है।

सात समुंदर पार तक हिंदी साहित्य की अलख जगाने वाली हरियाणा की वरिष्ठ महिला साहित्यकार भावना सक्सैना का जन्म 20 जनवरी 1973 को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक शिक्षित परिवार में सुरेंद्र कुमार कौशिक और दर्शन कौशिक के घर में हुआ। उनके पिता दिल्ली में बैंकर थे, तो माता भी प्रशासनिक क्षेत्र में सेवारत थी। इसलिए उनका बचपन दादा-दादी के स्नेह की छांव में गुज़रा और यह उनकी अमूल्य पूंजी है। बचपन से ही दादी को नियमित रूप से गीता और सुखसागर पढ़ते हुए देखा।

घर का वातावरण बहुत सात्विक और स्नेह से पूर्ण था। उस समय मझली और छोटी बुआ संस्कृत में स्नातक व स्नातकोत्तर कर रही थीं। पिताजी ने उनका प्रवेश प्रथम कक्षा में ही सेंट मेरी कॉन्वेंट स्कूल में करा दिया था, जहां छोटा मगर अच्छा पुस्तकालय था। पुस्तकों की सहज उपलब्धता और परिवार में सभी की प्रेरणा से पढ़ने में रुचि उत्पन्न हुई। उनकी कुछ तुकबंदियाँ तो सातवीं-आठवीं कक्षा में आरम्भ हुई थीं, लेकिन अपनी पहली पूर्ण कविता कक्षा नौ में अंग्रेज़ी भाषा में लिखी। फिर गाहे बगाहे वह अपने विचारों को कविताओं के रूप में कलमबद्ध करती रही। स्नातकोत्तर, अंग्रेज़ी साहित्य में स्नातक व एमए अंग्रेज़ी में करने के बाद उनको भी केंद्र में सरकारी नौकरी मिल गई, जिनकी नियुक्ति केंद्रीय गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग के केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो में वरिष्ठ अनुवादक पद पर हुई, जिन्हें वर्ष 2007 में सूरीनाम में प्रतिनियुक्ति पर भेज दिया गया। उन्होंने सूरीनाम में भी साहित्यिक साधना पर ध्यान केंद्रित रखा। वह सूरीनाम के हिंदुस्तानियों की भाषा और संस्कृति के प्रति प्रेम से बेहद प्रभावित हुई और उन्होंने सूरीनाम के भारतवंशी हिंदी लेखकों के साहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन करते हुए उन पर आलेख लिखने शुरू कर दिये। बकौल भावना सक्सैना, साहित्य हो या कोई अन्य क्षेत्र, हर क्षेत्र में उतार चढ़ाव मनुष्य की जिंदगी का हिस्सा है, जिसमें हताश होने के बजाए सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने वालों के मार्ग को कोई परास्त नहीं कर सकता। भावना सक्सैना ने अंग्रेजी माध्यम से पूरी शिक्षा ग्रहण करने के बावजूद देश और विदेश में हिंदी भाषा के लिए बहुत कार्य किया है। उनका मानना है कि भारत में साहित्य के पाठक तो बहुत हैं, लेकिन हिंदी साहित्य के पाठक अपेक्षाकृत कम हैं।

जहां तक युवा पीढ़ी को साहित्य के प्रति प्रेरित करने का सवाल है तो इसके लिए हिंदी के लेखकों को ऐसी रचनाओं पर फोकस करना होगा, जो युवा पीढ़ी को पढ़ने के लिए प्रेरित कर सके। लेकिन देखा जा रहा है कि आज संभवतः मौलिकता का अभाव है। आजकल हिंदी के बहुत से लेखक मानो फैक्ट्री में साहित्य सृजन कर रहे हैं, ताकि सोशल मीडिया पर आने वाली प्रतिक्रिया उन्हें लोकप्रिय बना सके। जबकि समाज को अपनी संस्कृति के प्रति सकारात्मक ऊर्जा देने के लिए साहित्यकारों और लेखकों को सजग रहने की आवश्यकता है।

प्रकाशित पुस्तकें

महिला लेखक एवं साहित्यकार भावना सक्सैना ने सूरीनाम के भारतवंशी हिंदी लेखकों के साहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन करते हुए उन पर आलेख लिखे। इनकी प्रकाशित पुस्तकों में सूरीनाम में हिन्दुस्तानी, भाषा, साहित्य व संस्कृति, कहानी संकलन नीली तितली सुर्खियों में है। उन्होंने सूरीनाम का सृजनात्मक हिंदी साहित्य, प्रवासी हिंदी साहित्य, एक बाग के फूल, अभिलाषा, हरियाणा साहित्य अकादमी की पत्रिका हरिगंधा के मार्च 2018 महिला विशेषांक का संपादन भी किया है। यही नहीं उन्होंने कलाकारों का जीवन सरनामी (रोमन) से हिंदी में अनुवाद भी किया है।

भावना सक्सैना

पुरस्कार व सम्मान

साहित्यकार भावना सक्सैना को अमेरिका के द्वीव सूरीनाम में सूरीनाम हिंदी परिषद, सूरीनाम साहित्य मित्र संस्था और ऑर्गेनाइजेशन हिंदू मीडिया, सूरीनाम द्वारा श्रेष्ठ हिंदी सेवाओं प्रचार प्रसार के लिए सम्मानित किया जा चुका है। वहीं हरियाणा साहित्य अकादमी से ने उन्हें साल 2014 में उनकी लिखित कहानी 'तिलिस्म' को प्रथम पुरस्कार से नवाजा है। उन्होंने नवंबर 2008 से जून 2012 तक भारत के राजदूतावास, पारामारिबो, सूरीनाम में अताशे पद पर रहकर हिंदी का प्रचार-प्रसार किया है। इसके अलावा विभिन्न साहित्यिक मंचों से अनेक पुरस्कार मिल चुके हैं।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : भावना सक्सैना
जन्मतिथि : 20 जनवरी 1973
जन्म स्थान : दिल्ली
शिक्षा : स्नातकोत्तर, अंग्रेज़ी साहित्य में स्नातक व एमए अंग्रेज़ी
संप्रति : वरिष्ठ अनुवादक, केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय

सांस्कृतिक धरोहर को सहेजते 'हरियाणवी कड़के'

पुस्तक : हरियाणवी कड़के
लेखिका : आशा खत्री 'लता'
मूल्य : 495 रुपये
प्रकाशक : लिटरेचर लैंड, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा

अर्चना कोचर

हरियाणवी बोली की समृद्धि को चार चांद लगाते आशा खत्री 'लता' द्वारा रचित 'हरियाणवी कड़के' अल्प शब्दों में प्रासंगिक सीख देते हैं तथा इनके वाक्य की बानगी में सारे शब्द एकदम से उपयुक्त बैठते हैं। जिन्हें हमारे बड़े-बुजुर्ग कहावतों, काव्यांशों, पहेलियों, मुहावरों एवं लोकोक्तियों में आम बोलचाल की भाषा में प्रयोग करते रहे हैं। जैसे अपने शीत नै कोई खाट्टा ना बतावै अर्थात अपनी चीज में कमी नहीं बताना। ओच्छे की प्रीत जणूं बालू की भीत -बे भरोसे की चीज। इतना मिह का डर कोन्या जितना टपके का- बड़े की अपेक्षा छोटे नुकसान की चिंता। हमारे जन-जीवन में घुली-मिली कुछ काव्यमय पंक्तियां जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी साथ चलती रहती हैं। इन्हें सुनकर-समझकर हम हल्के में लेकर हंसी में उड़ा देते हैं, लेकिन हम यह क्यों भूल जाते हैं इनकी रचना भी किसी ज्ञानी-ध्यानी लोक साहित्यकार द्वारा की गई होगी। जो थोड़े से शब्दों में काव्यात्मक शैली में इतनी गहन बात कह गए हैं। जहां यह मुहावरें, लोकोक्तियां और कहावतें काव्यात्मक शैली में कही-सुनी जाती है, वहीं हमारे बड़े-बुजुर्गों द्वारा पहेली के रूप में भी अपनी बात को बड़े शानदार तरीके से रखा जाता रहा हैं। आधुनिकता के नाम पर अंग्रेजी भाषा के रंग में रंगे समाज में लोक भाषा में रची-बसी यह कहावतें, लोकोक्तियां और मुहावरें विलुप्त होने के कगार पर हैं, लेकिन यह कड़के हमारे बुजुर्गों की सांस्कृतिक धरोहर हैं, जो हमारे लिए किसी खजाने से कम नहीं हैं। आशा खत्री 'लता' ने अपनी पुस्तक में इन्हें सहेजकर न केवल अपनी धरोहर को सुरक्षित किया है बल्कि आने वाली पीढ़ियों को अपनी समृद्ध हरियाणवी भाषा की गहनता से भी रूबरू करवाया है। 421 कहावतें एवं लोकोक्तियां, 36 काव्यात्मक पंक्तियां तथा 15 पहेलियों को इकट्ठा करके एक किताब में सहेजना अपने आप में एक अनूठी पहल है। अपनी माता अजीत कौर को समर्पित यह संग्रह, लेखिका के अनुसार इस संग्रह के सृजन में उनका योगदान अतुलनीय रहा है क्योंकि उनकी मुहावरेदार शब्दावली लेखिका के लिए सदैव आकर्षक एवं ज्ञानार्जन का केंद्र रही है। संग्रह कवर पेज सहित बहुत ही सुंदर एवं शानदार बन पड़ा है। लेखिका ने एक अनछुए और मौलिक विषय पर लेखनी चला कर साहित्य जगत में एक मिसाल कायम की है। वरिष्ठ साहित्यकार आशा खत्री 'लता' भविष्य में भी कुछ बेहतर सृजन करेंगी, ऐसी आशा है।

खबर संक्षेप

हिसार। कपिला गोशाला में गायों के लिये सवामणी लगाने पहुंचे लायंस क्लब हिसार ए फिरोजा के सदस्य।

लायंस क्लब ने गोशाला में लगाई सवामणी

हिसार। लायंस क्लब हिसार ए फिरोजा की ओर से क्लब के सदस्य डॉ. मुनीष जुनेजा के पिताजी स्वर्गीय मोहन लाल जुनेजा की पुण्यतिथि पर दिल्ली रोड बाई पास पर स्थित कपिला गोशाला में हरा चारा, गुड़ व दलिया की सवामणी लगाई गई। क्लब के सचिव पवन सरदाना ने बताया कि प्रोजक्ट चेयरमैन डॉ. मुनीष जुनेजा की देखरेख में उपस्थित क्लब के सदस्यों ने गौशाला की गायों को सवामणी खिलाई।

बेसहारा महिलाओं को उनके परिवार से मिलाया

हिसार। महिला एवं यूथ उत्पीड़न निवारण मंच ट्रस्ट की ओर से संचालित अर्बन एस्टेट-2 रामद्वार स्थित हमारा प्रयास आश्रम ने दो बेसहारा महिलाओं को उनके परिवार से मिलाने का पुनीत कार्य किया। इन महिलाओं में से एक मंदबुद्धि महिला राज जो दिल्ली की रहने वाली है जिसे हमारा प्रयास आश्रम टीम ने सिविल अस्पताल से रेस्क्यू किया था। दूसरी महिला मोना शर्मा पत्नी विनय शर्मा निवासी इंद्रा नगर हिसार की रहने वाली है। जिन्हें अर्बन एस्टेट चौकी की टीम द्वारा रेस्क्यू करके हमारा प्रयास आश्रम में भेज दिया था।

दिल्ली में बनेगी भाजपा की सरकार : बिश्नोई

हिसार। दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीजेपी की सरकार बनना निश्चित है। इस चुनाव में आप और कांग्रेस का सूपड़ा साफ़ होगा। बीजेपी नेता कृष्ण बिश्नोई ने दिल्ली के चांदनी चौक क्षेत्र ने बीजेपी प्रत्याशी सतीश जैन के पक्ष में चुनाव प्रचार करते हुए किया। उन्होंने चांदनी चौक क्षेत्र के प्रवासी प्रभारी भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं हरियाणा सरकार के पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता के नेतृत्व में चुनाव प्रचार करने पहुंचे हैं। उन्होंने डोर टू डोर मतदाताओं से संपर्क कर भाजपा प्रत्याशी को विजयी बनाने की अपील की।

व्यापारियों को बजट से मिली निराशा : विधायक

आदमपुर। आदमपुर के विधायक व सेवानिवृत्त आईएएस चंद्रप्रकाश ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत किए गए बजट पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि बजट में कई बड़ी-बड़ी बातें की गई हैं लेकिन रोजगार बढ़ाने और महंगाई पर लगाम कसने के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि गरीब, किसान, मजदूर व छोटे व्यापारियों को इस बजट से घोर निराशा मिली है। विधायक ने कहा कि गरीब, किसान, मजदूर, कमेरे, पिछड़ा वर्ग व मध्यम वर्ग को अपेक्षा थी कि इस बजट से महंगाई से राहत मिलेगी लेकिन आम लोगों के हाथ खाली हैं। इस बजट ने सभी को निराश किया।

33वीं जिला मास्टर चैंपियनशिप में हिसार की कौशल्या ने लगाई मेडलो की झड़ी

एथलेटिक चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता कौशल्या नेशनल में चयनित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

दिल मे जज्बा और जीत का जूनून हो तो उम्र आड़े नहीं आती। ऐसा ही कुछ जीत के जज्बे के साथ गिरी सेंटर हिसार में 33वीं जिला मास्टर चैंपियनशिप का सफल आयोजन मास्टर एथलेटिक फेडरेशन ऑफ़ इंडिया द्वारा किया गया।

इस प्रतियोगिता मे लगभग 300 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप मे मास्टर एथलेटिक फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर धर्मवीर ढिल्लो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। डॉ. धर्मवीर ढिल्लों ने कहा की खेल खेलना इतना जरूरी हो गया जितना भोजन करना। असली खिलाडी मैदान मे ही रहते है और मैदान मे रहने वाले खिलाडी कभी बीमार नहीं पड़ते और साथ ही खिलाड़ियों को खेल की भावना से खेल खेलने के लिए प्रेरित किया। इस चैंपियनशिप मे हिसार से 50 प्लस महिला आयु वर्ग मे सुन्दर नगर वासी कौशल्या ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में महिलाओं के 100 मीटर 200 मीटर, 400 मीटर ,1500 मीटर, 5 किलोमीटर दौड़ व पैदल चाल जैसे मुकाबले हुए। इसके हिसाब से कौशल्या देवी ने 50 प्लस उम्र के प्रतियोगिता में भाग लिया। कौशल्या देवी ने 5 किलोमीटर और 200 मीटर दौड़ के दोनों मुकाबलो मे गोल्ड मैडल और 100 मीटर मे काँस्य पदक प्राप्त किया। कौशल्या देवी ने यहां पर तीन प्रतियोगिता में भाग लिया और सभी में पहला व दूसरा स्थान प्राप्त कर बंगलुरु मे होने वाली नेशनल चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया। कौशल्या देवी ने गत वर्ष कलकत्ता हूई नेशनल मे भी कौशल्या देवी ने उम्दा प्रदर्शन किया था। कौशल्या देवी हर साल बिजली बोर्ड की सभी प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान हासिल करती है। कौशल्या देवी रिटायर्ड सुपरिटेंडेंट चंद्रभान वर्मा की धर्मपत्नी है। इस मौके पर मास्टर एथलेटिक फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के जनरल सेक्रेटरी चरणजीत ने कौशल्या को नेशनल चैंपियनशिप मे क्वालीफाई होने पर सम्मानित किया और मेडल जीतने के लिए प्रेरित किया व शुभकामनाएं दी।

हिसार। विजेताओं को सम्मानित करते मुख्य अतिथि व आयोजक।

हिसार में 4 को राष्ट्रीय अंडर-15 रग्बी 7एस के लिए प्रदेश की टीमों का चयन

हिसार। लड़कियों और लड़कों की राष्ट्रीय अंडर-15 रग्बी 7एस प्रतियोगिता के लिए हरियाणा अंडर-15 टीमों का चयन इंडियन रग्बी फुटबॉल यूनियन (आईआरएफयू) की ओर से 4 फरवरी को हिसार के जाट कॉलेज फुटबॉल ग्राउंड पर आयोजित करवाए जाएंगे। भारतीय रग्बी फुटबॉल संघ से डेवलपमेंट मैनेजर विकास चौरसिया और शिवेंद्र यादव की ड्यूटी लगाई गई है। राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं 10 से 16 फरवरी तक ग्वालियर में आयोजित करवाई जाएंगी। सचिव जेराल्ड प्रभु ने रविवार को बताया कि यह चयन हरियाणा खेल विभाग के ऑब्जर्वेशन में करवाया जाएगा। चयन में भाग लेने के सभी इच्छुक खिलाड़ी इस चयन में अपने क्लब अथवा जिला संघ के माध्यम से भाग ले सकते हैं। जिसमें 2009 व 2010 में जन्में हुए बच्चे तथा विशेष अनुमति के साथ 2011 में जन्में बच्चे भाग ले सकते हैं। इच्छुक टीमों/खिलाड़ियों को सुबह 10 बजे रिपोर्ट करना होगा तथा 11 बजे चयन प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। (आईआरएफयू) ने सफल चयन प्रक्रिया के लिए चयन समिति का गठन किया गया है जिसमें 38वें राष्ट्रीय खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सीनियर खिलाड़ियों को शामिल किया है जिसमें रग्बी 7एस के भारतीय कप्तान से दीपक पूनिया (हिसार), रग्बी 15एस के भारतीय कप्तान मोहित खत्री, पूर्व भारतीय कप्तान प्रिंस खत्री, मोहित तुशीर, नीरज खत्री, अजय देसवाल, अनिकेत, प्रणय और सुरेश को शामिल किया गया है।

हिसार। मेले बारे आयोजित बैठक में उपस्थित पदाधिकारी व कमेटी सदस्य।

घिराय खरकड़ी का संयुक्त दादा बिशा का मेला 11 को खरकड़ी में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हर साल की भांति खरकड़ी गांव में लगने वाला दादा बिशा का मेला इस बार 11 फरवरी मंगलवार को घिराय और गांव खरकड़ी के संयुक्त सहयोग से गांव खरकड़ी में आयोजित किया जाएगा। मेले की तैयारियों बारे रविवार को दादा बिशा मंदिर में कमेटी और पदाधिकारियों की बैठक हुई।मंदिर के पुजारी बलवान शर्मा ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी दादा बिशा का मेला भव्य होगा। उन्होंने कहा की मेले में दूर दराज से आने वाले श्रद्धांजलि के लिए व्यापक प्रबंध किए जायेगे। उन्होंने कहा की ताकि पूजा अर्चना करने में श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न उठानी पड़े। दादा बिशा करते हैं हर मुराद पूरी दादा बिशा मंदिर में जो भी श्रद्धालु सच्ची श्रद्धा से अपनी मन्नत मांगने आता है उनकी मुराद अवश्य पूरी होती है। बलवान शर्मा के मुताबिक धोक पूजा करने वाले श्रद्धालु साथ में झाड़, खील, पतासे मखाने इत्यादि लेकर पहुंचते हैं और पूजा अर्चना करते हैं। ल कुश्ती दंगल होगा लेकिन इस बार कमेटी ने फैसला लिया कि यह कुश्ती दंगल इनामी नहीं होगा। सिर्फ पहलवानों को अपनी जोर आजमाइश और अपना खेल प्रदर्शन दिखाने के लिए कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा।

ऑवर्स हॉस्पिटल में हृदय एवं न्यूरो रोग जांच कैम्प 6 को

हिसार। बालसमंद रोड स्थित ऑवर्स हॉस्पिटल में 6 फरवरी को हृदय एवं दिमाग से संबंधित बीमारियों के ईलाज के लिए कैम्प का आयोजन किया जाएगा। इस कैम्प में गुड़गांव के प्रसिद्ध हॉस्पिटल मेदांता से हृदय रोग विषेशज्ञ एवं दिमाग रोग विषेशज्ञ डाक्टरों की टीम मौजूद होगी। जो मरीज हृदय और दिमाग की बीमारी से पीड़ति हैं तथा वह गुड़गांव जाकर मेदांता हॉस्पिटल में ईलाज करवाने के लिए असमर्थ है, वह मरीज हिसार में मेदांता के इन स्पेषलिस्ट डाक्टरों की सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। कैम्प में हृदय और दिमाग से संबंधित बीमारियों की जांच और ईलाज की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा कैम्प में ईसीजी, ब्लड जांच तथा अन्य जांच भी फ्री में रहेंगी। कैम्प के लिए रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए हॉस्पिटल द्वारा 9817560701 नंबर जारी किया गया है ताकि मरीज अपना रजिस्ट्रेशन पहले करवा लें।

भीम आर्मी हर हाल में करेगी शांतिपूर्ण प्रदर्शन : संतलाल

- भीम आर्मी नेताओं को अंदेशा, संगठन को प्रदर्शन से पहले गिरफ्तारी का डर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

भीम आर्मी के नेताओं संतलाल अंबेडकर व अमित जाटव ने आरोप लगाया है कि पुलिस प्रशासन द्वारा प्रदर्शन के संबंध में डराने-धमकाने के उद्देश्य से उन्हें नोटिस जारी किया गया है। नोटिस तीन फरवरी को हिसार पुलिस के खिलाफ प्रस्तावित शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन को रोकने के लिए दिया गया है। संतलाल अंबेडकर एवं अमित जाटव ने कहा कि प्रदर्शन से अमित जाटव को बस स्टेंड चौकी में थर्ड डिग्री टॉर्चर करने वाले चार आरोपित पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार कर निलंबित करने, जांच अधिकारी महेंद्र द्वारा मनमर्जी करते हुए 42 दिन बाद मामूली धाराओं में केस दर्ज करने तथा जांच अधिकारी की भूमिका जांचने के मामले में न्याय की मांग की जाएगी। दोनों नेताओं ने कहा कि हमने नोटिस का लिखित जवाब दे दिया है। हमारा आंदोलन शांतिपूर्ण और संवैधानिक है। हमें अभिव्यक्ति की आजदी व शांतिपूर्ण ढंग से एकत्रित होने का अधिकार है।

आचार्य शिवपूजन 29 साल बाद सेवानिवृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, चतरगढ़ पट्टी में संस्कृत प्रवक्ता के पद पर कार्यरत आचार्य शिवपूजन मिश्र 29 वर्ष सेवा करने उपरांत अपने पद से सेवानिवृत हो गये हैं। उनके सम्मान में स्कूल प्रांगण में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय परिवार द्वारा उन्हें पगड़ी व शॉल पहनाकर, प्रशस्ति पत्र (जीवन वृत्त) देकर तथा स्टॉफ सदस्यों ने सोने की अंगूठी पहनाकर सम्मान किया। विद्यालय के प्रिंसीपल राम अवतार कौशिक, वाईस प्रिंसीपल कृष्णा मैडम, स्टॉफ सदस्य आशा, बिमला, जोगेन्द्र, संजय, सरोज, मधु, विमी गोयल, सुरेखा जिंदल, हरिसिंह पीटीआई, सुलोचना देवी, क्लर्क रमेश मुंजाल ने उन्हें ये सम्मान प्रदान किया। सेवानिवृति के मौके पर उनकी धर्मपत्नी सुनैयना देवी व परिवार के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। समारोह में संस्कृत अध्यापक संघ जिला हिसार के प्रधान एवं पूर्वांचल जन कल्याण संगठन समिति के महासचिव आचार्य मुरलीधर पाण्डेय ने आचार्य शिवपूजन शास्त्री के जीवन पर पूर्ण रुप से प्रकाश डाला। प्रेमचंद, रामजी, शंकर, अंगद, दिनेश घनघस, रोहतास शास्त्री ने भी अपने विचार व्यक्त किये। आचार्य शिवपूजन शास्त्री मूलतः अयोध्या के तथा हाल में सेक्टर 14 निवासी हैं। 29 सालों से वे हरियाणा के विभिन्न स्कूलों में अपनी सेवाएं देकर गत दिवस सेवानिवृत हुए। शिक्षक काल में वे अनेकानेक पुरस्कारों से विभूषित हुए जिसमें शिक्षक रत्न, आदर्श शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया। 6 बार जिला प्रशासन (उपायुक्त) द्वारा गीता जयंती निर्णायक मंडली में सम्मिलित किया गया।

हिसार। आचार्य शिवपूजन शास्त्री को सेवानिवृति पर सम्मानित करते स्कूल स्टॉफ के सदस्य।

किरतान में वीर हकीकत राय शहीदी दिवस मनाया

हिसार। गांव किरतान में वीर हकीकत राय शहीदी दिवस मनाया गया। आजाद हिंद युवा क्लब किरतान के सहयोग से एससी चौपाल में शहीद को याद किया। प्रधान कपूर सिंह आर्य ने बताया कि वे अपने माता पिता की अकेली सन्तान थे। इसी दिन वीर हकीकत राय का शहीदी दिवस मनाया जाता है। पंजाब के सियालकोट वर्तमान में पाकिस्तान में, वीर हकीकत राय के पिता भागमल पुरी व माता गौंरा देवी के घर में जन्मे और जिस उम्र में बच्चे अच्छे तरह पारिवारिक सदस्यों को पहचान नहीं पाते वहीं मात्र चार साल की आयु में वीर हकीकत राय ने इतिहास व संस्कृति विषय का अध्ययन कर लिया था।

मंत्रोच्चारण के साथ रखी अग्रवाल सेवा सदन की नींव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ आदमपुर

अग्रवाल सेवा समिति मंडी आदमपुर द्वारा माडल टाउन में भव्य अग्रवाल सेवा सदन की मंत्रोच्चारण के साथ नींव रखी गई। पंडित रामदत्त शर्मा ने विधि-विधान के साथ भूमि पूजन करवाया व बाद में अग्रवाल समाज के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा श्री राम लिखी ईंटों द्वारा निर्माण कार्य की नींव रखी गई। इस दौरान सैंकड़ों की संख्या में लोग भूमि पूजन व नींव पूजन के साक्षी बने। अग्रवाल सभा के प्रधान घीसाराम जैन ने बताया कि आदमपुर में अग्रवाल भवन नहीं था इसके लिए समाज के लोग काफी सालों से प्रयासरत थे कि कहीं अच्छी जगह मिले ताकि समाज के नाम से एक सुंदर और भव्य भवन का निर्माण करवाया जा सके। इसके लिए हरियाणा सरकार से मॉडल टाऊन मंडी आदमपुर एचएसवीपी की खाली पड़ी जमीन ली गई। अब इस जमीन पर अग्रवाल समाज की ओर से तीन मंजिला भव्य भवन का निर्माण करवाया जाएगा। उन्होंने बताया महाराजा अगसेन के बताये मार्ग पर चलते हुए एक ईंट एक रूपया हिसाब से समाज के प्रत्येक व्यक्ति की इस भवन में भागीदारी करवाई जाएगी। भवन बनने के बाद सर्वसमाज इसका प्रयोग कर सकेगा। भूमि पूजन व नींव पूजन के लिए अग्रवाल समाज के उन लोगों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया जो पूर्व में आदमपुर में रहते थे और अब अलग-अलग जगह रहकर अपना व्यवसाय कर रहे है। कार्यक्रम के दौरान भजन गायिका प्रिंसी गोयल व सुंदरकांड प्रचारिणी सभा के सदस्यों राजेंद्र भारती, कश्मीरी लाल, दिनेश गर्ग ने भजनों की अमृतवर्षा की। वहीं मंच संचालन मांगेराम सिंगला ने किया। इस मौके पर रमेश गोयल, दौलत राम गोयल, प्रेम गोयल खैरमपुरिया, लक्ष्मी बंसल, सत्यनारायण बंसल, पवन गर्ग, किशोर गोयल, साधुराम बंसल, तरसेम गोयल, राजकुमार बंसल, श्याम बंसल, राजकुमार, निरंजन बंसल, लीलाधर गर्ग, गौरव सिंगला, रामबिलास, हरीश गोयल, सतबीर जिंदल, रामप्रसाद-सुभाष गर्ग, सुरेश चेयरमैन, वरूण गर्ग, बिश्मबर गोयल, मांगेराम सिंगला, राजेश, जगत अग्रवाल, अनूप बंसल, राजेश मित्तल, अशोक बंसल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

हिसार। आदमपुर में महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा के आगे दीप प्रज्वलित करते अतिथिगण।

शबरी ने भगवान राम के लिए 64 वर्ष तक इंतजार किया : गौरदास महाराज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

गोविन्द की गली परिवार श्रीधाम वृंदावन एवं लाला लखीराम आदमपुरिया परिवार द्वारा प्रसिद्ध भजन गायक विनोद अग्रवाल की पावन स्मृति में अग्रसेन भवन में 9 दिवसीय भक्तमाल कथा एवं हरि नाम संकीर्तन के दूसरे दिन कथा करते हुए कथा व्यास गौरदास महाराज ने शबरी का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि कहा कि पूर्व जन्म में शबरी एक देश की बहुत सुंदर रानी थी। रानी ने कुंभ में सत्संग एवं स्नान हेतु जाने को कहा तो राजा ने इसकी व्यवस्था की। रानी जब प्रयागराज पहुंची तो देखा कि राजा ने उसके स्नान हेतु शामियाने, पर्दे आदि लगवाकर अलग से व्यवस्था करवा रखी थी। शबरी ने स्नान तो कर लिया परंतु वह सुरक्षा कारणों से सत्संग सुनने नहीं जा सकी। तब उसने प्रयागराज से निवेदन किया कि मैं अगले जन्म में कुरुप बनूं एवं नीच कुल में जन्म लूं। प्रार्थना करके रानी ने वहीं जल समाधि ले ली। अगले जन्म में उसने भीलों के राजा शबर के यहां पुत्री के रुप में जन्म लिया। शबरी बचपन से ही भक्ति भाव की थी। मतंग ऋषि ने उसकी सेवा से प्रसन्न होकर उसे दीक्षा प्रदान कर दी। ऋषि ने उससे कहा था कि एक दिन तेरी झोपड़ी में भगवान श्रीराम आएंगे। शबरी रोज झोपड़ी का रास्ता साफ करती और श्रीराम का इंतजार करती। वह हर वक्त रामा-रामा रटते रटते बीती रे उमरिया.. ..भजन गुनगुनाती थी। उसने 64 वर्ष तक भगवान का इंतजार किया।

हिसार। अग्रसेन भवन में आयोजित भक्तमाल कथा में प्रवचन देते गौरदास महाराज व उपस्थित श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

कुंडलिनी ध्यानः मानव की जागृति का सर्वोच्च मार्ग : आचार्या मां साक्षी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

सिद्धार्थ फाउंडेशन के तत्वाधान में समर्थगुरू हिसार संघ ने अपने कौशिक नगर स्थित साधना केंद्र में रविवार के संडे ध्यान में आचार्या मां साक्षी ने कुंडलिनी ध्यान करवाया। उन्होंने बताया कि कुंडलिनी ध्यान एक प्रकार का योग और ध्यान है जो कुंडलिनी शक्ति को जागृत करने के लिए किया जाता है। कुंडलिनी शक्ति एक आध्यात्मिक ऊर्जा है जो हमारे शरीर में रीढ़ की हड्डी के निचले हिस्से में स्थित होती है। इस शक्ति को जागृत करने का उद्देश्य आत्मज्ञान प्राप्त करना और आत्मिक उन्नति करना है। इस ध्यान के माध्यम से मानसिक शांति और आत्मज्ञान का अभ्यास किया जाता है। इस अभ्यास में, योगी कुंडलिनी ऊर्जा को सुषुम्ना नाड़ी के माध्यम से ऊपरी चक्रों में ले जाने के लिए विभिन्न प्राणायाम, मंत्र और ध्यान की तकनीकों का उपयोग करता है। कुंडलिनी ध्यान के प्रकार और तकनीकें विभिन्न हो सकती हैं। आध्यात्मिक गुरु या आध्यात्मिक शिक्षक के मार्गदर्शन में होता है। ध्यान प्रणाली शारीरिक, मानसिक, और आध्यात्मिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए प्रभावी मानी जाती है, लेकिन इसे अनुभव करने के लिए धैर्य, समर्थन और प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। संयोजक आचार्य सुभाष ने साधकों को सम्बोधित करते हुए बताया कि ओशोधारा के कार्यक्रम वैज्ञानिक और आध्यात्मिक दृष्टि से प्रमाणिक है और ध्यान को घर-घर तक पहुंचाने के उद्देश्य से हर सप्ताह पूरे देश में ध्यान योग का कार्यक्रम तय किया गया है और 7 से 9 फरवरी को तीन दिवसीय ध्यान योग के कार्यक्रम का हिसार सहित पूरे देश में एक साथ 50 अधिक जगहों पर आयोजन किया जाएगा।

हिसार। कौशिक नगर स्थित साधना केंद्र में ध्यान कार्यक्रम में भाग लेते साधक।

अध्यापक संघ की राज्य कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन

शिक्षा, शिक्षक व छात्रहित में आंदोलन को रहें तैयार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ की राज्य कार्यकारिणी की बैठक सर्व कर्मचारी संघ कार्यालय में राज्य प्रधान प्रभु सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मंच संचालन महासचिव रामपाल शर्मा ने किया।

राज्य प्रधान प्रभु सिंह ने बताया कि बैठक में हरियाणा सरकार की अव्यवहारिक तबादला नीति पर चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सैकड़ों विद्यालय बिना शिक्षक या सिंगल अध्यापक के सहारे चल रहे हैं, जिसके कारण स्कूलों में नामांकन घट रहा है। उन्होंने बताया कि इसकी आड़ में विद्यालय मर्ज या बंद किए जा रहे हैं और इसका ठीकरा अध्यापकों के सिर पर फोड़ा जा रहा है। राज्य अध्यक्ष ने बताया कि अध्यापकों पर सैकड़ों प्रकार के गैर शैक्षणिक कार्यों की भरमार है। कच्चे कर्मचारियों में भय व अस्थिरता का माहौल बना हुआ है। उन्होंने बताया कि बैठक में एसीपी, चिकित्सा प्रतिपूर्ति, प्रोत्साहन राशि, पदोन्नति एवं अन्य अनेक लंबित मामलों को लेकर गहन मंथन किया गया तथा आंदोलन की रणनीति भी बनाई गई।

सांगठनिक मजबूती पर भी विचार विमर्श हुआ। उन्होंने बताया कि 8-9 फरवरी के सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के विधायकों को दिए जाने वाले ज्ञापनों में तथा 15-16 फरवरी के मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय के पड़ाव में अध्यापक बढ़-चढकर भागीदारी करेंगे। राज्य प्रधान ने बताया कि अध्यापक संघ शिक्षा, शिक्षकों व छात्रों की मांगों के लिए आंदोलन के लिए तैयार है।

इसके तहत मार्च के दूसरे सप्ताह में शिक्षा निदेशालय पर प्रदर्शन किया जाएगा। खंड स्तरीय धरनों के माध्यम से सार्वजनिक शिक्षा, शिक्षकों व छात्रों की मांगों से मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री को अवगत करवाया जाएगा। इसके अलावा नए सत्र में नामांकन अभियान चलाया जाएगा ऐसी रणनीति आज की बैठक के मुख्य एजेंडे रहे।

हिसार। अध्यापक संघ की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में उपस्थित पदाधिकारी।

200 रुपये एकत्रित करने का दबाव

बैठक में सिरसा जिला के प्रधान वीर सिंह ने बताया कि सिरसा में 16 फरवरी के मुख्यमंत्री के दौरे में नशा मुक्ति अभियान की आड़ में परीक्षा के समय मैराथन दौड़ का कार्यक्रम उपायुक्त द्वारा रखा गया है। स्कूल मुखिया से मौखिक आदेश के आधार पर 200 रुपए भी एकत्रित करने का दबाव है। संघ ऐसे तुगलकी फरमानो का विरोध करता है तथा राजनीतिक कार्यक्रम में छात्रों की संलिप्तता का विरोध करेगा। बैठक में वरिष्ठ उपप्रधान गुरमीत सिंह, संगठन सचिव सुखदर्शन, उपप्रधान अलका, सुशील, अनिल सैनी व सचिव कृष्ण कायत, आमंत्रित सदस्य रामपाल रामबास, हैप्पी मोर जींद, दिनेश तंवर यमुनानगर, रमेश चोपड़ा करनाल, रामफल, अमरनाथ कैथल कृष्ण सिंह चरखी दादरी, सुमेर आर्य भिवानी, विनोद प्रभाकर हिसार, राजकुमार गुरुग्राम, शमशेर लोरा नूंह, वीर सिंह, देवेंद्र कुमार मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

हिसार। सर छोटूराम की प्रतिमा पर माल्यापण करते किसान सभा के नेता व छात्र नेता।

किसान सभा व युवा शक्ति ने मनाई सर छोटूराम जयंती

हिसार। अखिल भारतीय किसान सभा की जिला इकाई व युवा शक्ति ने आज दोपहर सभा के जिला प्रधान शमशेर सिंह नम्बरदार के नेतृत्व में छोटूराम चौक पर लगी सर छोटूराम की प्रतिमा पर माल्यापण कर सर छोटूराम की जयंती मनाई।

किसान नेताओं ने अपने संबोधन में कहा कि सर छोटूराम ने पूरा जीवन कमेरा वर्ग की लड़ाई लड़ी। उन्हें उनके हक दिलाने के लिये लम्बा संघर्ष किया। अपने समय में किसानों को साहूकारों के चंगुल से निकालकर उन्हें सम्मानपूर्वक जीने का हक दिलाया। किसानों की जमीन कुर्की, पशुओं, अनाज, मकान, औजार आदि की कुर्की बंद करवाकर किसानों को राहत दिलाने का काम किया। किसानों के हितों में अनेक कानून बनवाये। इस देश

श्रद्धालुओं ने मां भ्रामरी देवी बनभौरी माता के किए दर्शन

बरवाला। मां भगवती जागरण मंडल अनाज मंडी बरवाला के तत्वावधान में बरवाला से बनभौरी धाम तक पैदल यात्रा निकाली गई। इस पैदल यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु पैदल अपने अपने हाथों में ध्वजा लेकर गीता भवन मंदिर पुरानी अनाज मंडी से रवाना हुए। इस पैदल यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं का बीच रास्ते स्वागत किया गया। इस पैदल यात्रा में शामिल श्रद्धालुगण गीता भवन मंदिर पुरानी अनाज मंडी, मंडी मार्ग, अग्रसेन चौक, मेन रोड, पुराना बस अड्डा, सरहेडा व मतलोढा से होते हुए बनभौरी धाम में पहुंचे। इन श्रद्धालुओं ने जय मां भ्रामरी देवी

जिलेभर में धूमधाम से मनाया गया वसंत पंचमी पर्व, बीड़ बबरान धाम में

महाभिषेक, हवन, महाश्रृंगार आरती वस्त्र, भंडारा व श्याम रसोई आयोजित

बसंत पंचमी महोत्सव में श्रद्धालुओं की आस्था देखने लायक रही : विनय शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

महाभारतकालीन प्रसिद्ध बीड़ बबरान धाम में बसंत पंचमी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर पूरे धाम को सजाया गया और श्याम बाबा के दरबार को भव्य स्वरूप दिया गया। पीतांबरी वस्त्रों व पीले फूलों से श्याम बाबा का बसंती श्रृंगार किया गया। बसंत पंचमी महोत्सव में हरियाणा के अलावा अन्य कई राज्यों से श्रद्धालुओं ने बीड़ बबरान धाम पहुंचकर श्याम बाबा के दरबार में हाजिरी लगाकर मन्नत मांगी।

महोत्सव में राज्य सूचना आयुक्त डॉ. जगबीर सिंह व लुवास के पूर्व कुलपति डॉ. विनोद वर्मा सहित कई प्रसिद्ध हस्तियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान पूरा धाम श्याम बाबा की जय व हारे का सहारा-श्याम बाबा हमारा उदघोष से गूंजता रहा। बसंत पंचमी महोत्सव की शुरुआत रविवार प्रातः श्याम बाबा के महाभिषेक से की गई। जनकल्याण के लिए हवन किया। महोत्सव के दौरान बसंती महाश्रृंगार आरती में जनसैलाब उमड़ पड़ा। इसके साथ ही बसंती वस्त्र प्रसाद का वितरण भी किया गया। बसंती वस्त्र प्रसाद प्राप्त करने के लिए भक्तों में होड़ लग गई। श्याम बाबा के वस्त्रों से निर्मित बसंती वस्त्र प्रसाद को पुण्य फलदायी माना जाता है। इसलिए श्रद्धालु इसे श्याम बाबा के आशीर्वाद के रूप मे ग्रहण करते हैं। दोपहर को बसंती श्याम रसोई का आयोजन किया गया। श्याम रसोई के माध्यम से सभी भक्तों को सात्विक लंगर प्रसाद ग्रहण करने का अवसर मिला। पुजारी विनय शर्मा ने बताया कि श्याम बाबा के प्रति अगाध आस्था है।

हिसार। बीड़ बबरान धाम में आयोजित बसंत पंचमी उत्सव में उपस्थित पुजारी व श्रद्धालु।

श्रद्धालुओं ने किए महाभारत कालीन पीपल के दर्शन

बीड़ बबरान धाम में आयोजित बसंत पंचमी उत्सव में हिस्सा लेने वाले श्रद्धालुओं ने श्याम बाबा के दरबार में माथा टेकने के बाद महाभारतकालीन पीपल के वृक्ष के दर्शन भी किए। यह वृक्ष भगवान श्रीकृष्ण व वीर बर्बरीक के जीवंत संवाद का साक्षी है। धर्म ग्रंथों के अनुसार वीर बर्बरीक ने एक तीर से इस पीपल के वृक्ष के हर पत्ते में छेद कर दिया था। इस वृक्ष पर नई कोंपले आते ही थोड़े दिनों में हर पत्ते में छेद दिखाई देने शुरू हो जाते हैं। भक्तों ने धाम में स्थापित श्याम बाबा के भव्य दरबार, वीर हनुमान के मंदिर, शिव परिवार, अखंड जोत, धूणे, घोड़े के पांव के निशान वाली शिला व मढ़ी के भी दर्शन किए।

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग, अन्य अतिथि व संस्था के बच्चे। फोटो :हरिभूमि

बसंत पंचमी पर होती विद्या की देवी सरस्वती, बाबा कामदेव श्री विष्णु भगवान की विशेष पूजा की : बजरंगदास गर्ग

हिसार। श्रवण एवं वाणी निशक्त जन कल्याण केंद्र में वसंत पंचमी महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। यज्ञ हवन विश्व कल्याण संस्था ने ज्ञान वृद्धि,पर्यावरण शुद्धि और समग्र समृद्धि के लिए वैदिक यज्ञ करवाया। रविवार को हुए आयोजन में केंद्र के विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के अध्यक्ष एवं हरियाणा कॉन्फैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि श्रवण एवं वाणी निशक्त जन कल्याण केंद्र श्रवण एवं वाणी बाधित बच्चों को शिक्षा, पुनर्वास और आत्मनिर्भरता के अवसर प्रदान कर महान कार्य कर रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सत्य पाल अग्रवाल ने कहा कि बसंत पंचमी प्रकृति की नई शुरुआत व ज्ञान की देवी सरस्वती के जन्म उत्सव के रूप में मनाया जाता है। यज्ञ के ब्रह्मा दयानंद ब्राह्म महा विद्यालय के आचार्य चंदन शास्त्री ने वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ यज्ञ को सम्पन्न करवाया। इस अवसर पर वंदना दुबे, वेदपाल, अनाज मंडी जिला प्रधान पवन गर्ग, लव मित्तल, प्रीति मित्तल, आरपी पाल, अंकित बटवेरा, ममता गोतम, मीनू, सरिता शर्मा, नितिन, रंजिता, सुमन, सहित केंद्र के विद्यार्थी उनके अभिभावक, स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

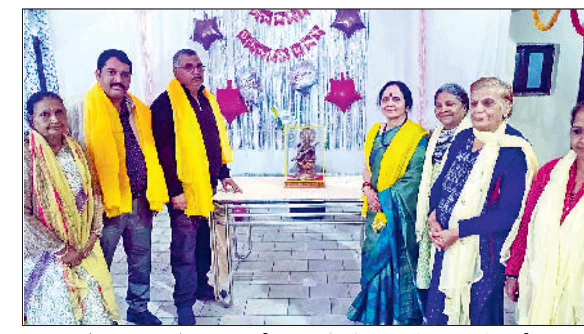
हिसार। मोक्ष वृद्धाश्रम में बसंत पंचमी उत्सव के दौरान उपस्थित पदाधिकारी व बुजुर्ग।

मोक्ष वृद्धाश्रम में बसंत पंचमी उत्सव की धूम

- मां सरस्वती की आराधना करके मोक्ष वृद्धाश्रम में मनाया बसंत पंचमी उत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

सेवार्थ भाव से बुजुर्गों की देखभाल व चिकित्सा में जुटे मोक्ष वृद्धाश्रम में बसंत पंचमी उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष नतमस्तक होकर पूजा व आराधना की गई। मोक्ष वृद्धाश्रम की संरक्षक समाजसेवी माता पंकज संधीर का जन्मदिन भी धूमधाम से मनाया गया। बसंत पंचमी उत्सव के लिए मोक्ष वृद्धाश्रम को लड़ियों से सजाया गया और आश्रम से जुड़े सदस्यों ने पीले पटके पहनकर बसंती बयार का परिचय दिया। इस दौरान पीले व्यंजनों का वितरण भी किया गया। संरक्षक समाजसेवी माता पंकज संधीर व प्रधान विजय भृगु ने सभी बुजुर्गों व स्टाफ सदस्यों को बसंत पंचमी की बधाई देते हुए कहा कि विद्या व ज्ञान की देवी मां सरस्वती की सभी पर अनुकंपा बनी रहे। उन्होंने कहा कि सभी स्वस्थ रहकर शालीन जिंदगी व्यतीत करें यही कामना है। माता पंकज संधीर ने कहा कि मोक्ष वृद्धाश्रम का प्रयास है कि यहां रहने वाले हर बुजुर्ग के जीवन में बसंती बहार का आगमन हो और हर बुजुर्ग खुशहाल रहे। उन्होंने बताया कि बुजुर्गों को समाज की मुख्यधारा से जोड़े रखने एवं सरसता के लिए मोक्ष वृद्धाश्रम में समय-समय पर विभिन्न सामाजिक व धार्मिक आयोजन किए जाते हैं। इसी कड़ी में बसंत पंचमी उत्सव का आयोजन किया गया। मोक्ष वृद्धाश्रम में महिलाओं के लिए मंदबुद्धि आश्रम का संचालन भी किया जा रहा है। यहां पर मंदबुद्धि महिलाओं का रहना, खाना व इलाज निशुल्क किया जाता है। उन्होंने बताया कि मोक्ष वृद्धाश्रम व मंदबुद्धि महिला आश्रम के संचालन में समाज के विभिन्न वर्गों का विशेष योगदान रहता है। बहुत से परिवार जन्मदिन, सालगिरह या त्योहार यहां आश्रम में पहुंचकर बुजुर्गों के साथ मिलकर मनाते हैं।

बसंत पंचमी के अवसर पर 'हमारा प्यार हिसार' ने पीएलए में दीवार पर की पेंटिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

बसंत पंचमी के शुभ दिन पर 'हमारा प्यार हिसार' के मतवालों की टोली एक बार फिर शहर को सुंदर बनाने के संकल्प के साथ अपने साप्ताहिक पेंटिंग अभियान पर निकली। रविवार को कैमरी रोड पर पीएलए की दीवार पर पक्षियों और तितलियों की सुंदर तस्वीरें बनाने का कार्य शुरू किया। टीम के सदस्यों दवारा चटख रंगों से आज के अभियान में सुशील खरींटा, डॉ. सुरेंद्र गर्ग, प्रो. हरीश भाटिया, डॉ. राज वर्मा, मूलचंद खत्री, कमल भाटिया, मंजू पूनिया, ममता छाबड़ा, संजय मारवाड़ी, जितेंद्र बंसल, विक्रम मित्तल, विजय कादियान, सत्येंद्र यदुवंशी, अनुराग परवाल, रमेश वर्मा, दिनेश बंसल, मंदीप पूनिया, राजन वर्मा, दीपक परवाल, पराग बंसल, अश्विनी, रोहित, बंटी, अंकित गर्ग, ईशा बिष्ट, एकता, योगिता, रावी अग्रवाल, लक्ष्य, यजत, भाविका, वेदांकुर, नन्दिनी, दक्षिता व हितिषा शामिल हुए।

हिसार। पेंटिंग अभियान चलाते संस्था के पदाधिकारी व सदस्य।

जवाहर नगर हनुमान मंदिर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर किया आयोजित

- 80 रोगियों की जांच-60 ब्लड टेस्ट किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में श्रीरामभक्त हनुमान मंदिर, गली नम्बर-2 जवाहर नगर में अशोक यादव अस्पताल के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। प्रधान इन्द्रचंद राठी ने बताया कि शिविर का शुभारंभ मुख्यातिथि के रुप में पहुंची आईएमए हिसार की अध्यक्ष डॉ. रेनू भाटिया ने किया जबकि स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सरिता कालड़ा विशिष्ट अतिथि रही। सामान्य रोग विशेषज्ञ डॉ. सुनीता यादव, डॉ. मयंक यादव, चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. अनिल सिंह, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिलाषा, एक्युप्रेशर विशेषज्ञ डॉ. हितेश शर्मा ने 80 रोगियों का निरीक्षण करके निःशुल्क दवाईयां व 60 लोगों की निःशुल्क रक्त जांच की गई। 20 रोगियों का अल्ट्रासाऊंड किया गया। इस अवसर पर मंदिर समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

हिसार। स्वास्थ्य जांच शिविर के शुभारंभ अवसर पर आईएमए हिसार की अध्यक्ष डॉ. रेनू भाटिया, साथ हैं डॉ. सरिता कालरा, मंदिर समिति के प्रधान इन्द्र चंद राठी व अन्य।

बसंत पंचमी पर किया श्याम बाबा का अलौलिक श्रृंगार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

श्री श्याम मंदिर सैक्टर 16-17 मे आज बसंत पंचमी के पावन अवसर पर श्याम बाबा का बंसती रंग के फूलो से आलौकिक श्रृंगार किया गया। सुबह श्याम प्रभु को महाभिषेक पश्चात वृंदावन से आयी विशेष पिताम्बरी पोशाक पहनाई गई एवं दिल्ली एवं बेगलुरु से आए बंसती फूलों से भव्य श्रृंगार किया गया। सुबह 9.15 बजे भक्तों ने महाश्रृंगार आरती मे हिस्सा लिया।

भोग आरती पश्चात श्याम प्रभु के बंसती वस्त्र का वितरण किया गया। श्री श्याम बंसती अंगवस्त्र का श्याम भक्तों के लिए विशेष महत्व होता है। इस पावन वस्त्र को पाने के लिए सुबह से ही मंदिर प्रांगण मे भारी संख्यां मे श्रदालुओं का आवागमन शुरू हो गया। भक्तों में पीले मीठे चावल का प्रसाद भी वितरित किया गया। श्री अरविंद गुप्ता ने सुंदरकांड का पाठ किया। इस अवसर पर मंदिर कमेटी के प्रधान विनोद अग्रवाल, आशीष जैन, रामकुमार गोयल, सुभाष बंसल, त्रिलोक बंसल, राजकुमार जैन, दिनेश बिंदल, दिनेश गोयल, सतीश बंसल, गौरव जैन सहित भारी संख्या मे श्रदालु मौजूद रहे।

धीरणवास: बसंत पंचमी व छोटूराम जयंती पर किया यज्ञ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

युवा संगठन, आर्य समाज एवं ग्राम पंचायत धीरणवास के संयुक्त तत्वावधान में बसंत पंचमी एवं चौ. छोटूराम जयंती के अवसर पर समारोह का आयोजन किया गया। यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य सहत्रपाल ने विधिवत यज्ञ सम्पन्न कराया और यजमान के रूप में जिला पार्षद सरोज बाला ने अपने पति हरगोविन्द के साथ, व देवीलाल, दीपक बूरा, संजीव आर्य ने सपत्नीक यज्ञ में आहुति डाली। समाज में सराहनीय योगदान देने के लिए राजकीय विद्यालय के पूर्व प्राचार्य कुलदीप सिहाग, कृषि विभाग से रिटायर्ड एसडीओ डॉ. करतार सिंह, नेहरू युवा केंद्र के उपनिदेशक रिटा. नरेन्द्र यादव को सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में कांस्य पदक विजेता कनक तथा वैटरन एथलीट सरोज के साथ गांव की वयोवृद्ध महिला व पुरुष को भी सम्मानित किया गया। नरेन्द्र यादव ने कहा कि चौ. छोटूराम का पूरा जीवन हमें प्रेरणा देता है। उन्होंने किसान, मजदूर व कमेरे वर्ग के उत्थान के लिए कार्य किया। डॉ. करतार सिंह ने चौ. छोटूराम के जीवन संघर्षों से प्रेरित होने का आहवान किया। पूर्व प्राचार्य कुलदीप सिहाग ने कहा कि आज का दिन किसानों का त्योहार है। चौ. छोटूराम ने इसलिए बसंत पंचमी को अपनी जयंती मनानी शुरू की थी। पार्षद प्रतिनिधि सतीश धीरणवास, किसान नेता सतबीर पूनिया, सुरेन्द्र आर्य, कैप्टन सुबे सिंह ने विचार रखे। इस अवसर पर वीर बलिदानी बाल हकीकत राय के प्रति भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर किसान नेता सतबीर गढ़वाल, सतबीर झाझड़िया, पूर्ण सिंह, सतबीर, अजयपाल, रामचन्द्र, ओमप्रकाश, पूर्व सरपंच तेलुराम आर्य, मनीराम आर्य, दलीप सिंह, नरेश, कुलदीप, बिजेन्द्र, बारूराम, राजपाल, जितेन्द्र, अभिमन्यु आर्य, रामफल, सुरेन्द्र, जयबीर, कृष्ण मास्टर, राजेश इत्यादि मौजूद रहे।

हवन में हिस्सा लेते ग्रामीण व अतिथि।

नारनौंद। विजेता छात्र को सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि।

पुट्ठी के सरकारी स्कूल के छात्र ने राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रतियोगिता में पाया तीसरा स्थान

नारनौंद। राज्य स्तरीय साइंस एंड मैथमेटिक्स एग्जिबिशन में सीनियर सेकेंडरी स्कूल पुट्ठी समैन के विद्यार्थी सागर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। स्कूल में पहुंचने पर स्वागत किया। छात्र सागर गांव के ही सरकारी स्कूल में 11 कक्षा का छात्र है। उसने पाई की हिस्ट्री व इसकी रियल लाइफ में प्रयोग संबंधी अपना मॉडल बनाया। कैसे हम गणित को संगीत के साथ जोड़कर गणित विषय को और अत्यधिक आसान बना सकते हैं। सागर ने पाई का मान 100 दशमलव स्थान तक लिख कर पियानों पर बजा कर दिखाया, जिसको तीसरा स्थान मिला। सागर प्रदेश की तरफ से राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेगा। उसके गाइड टीचर प्रशांत कुमार प्रवक्ता गणित ने जानकारी दी।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9653530207, 8814999173, 9253681005

बसंत पंचमी पर सत्संग व भंडारे का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

तरसेम नगर स्थित सिद्ध बाबा बालक नाथ एवं दुर्गा माता मंदिर में बसंत पंचमी पर सत्संग व भंडारे का आयोजन किया गया। बाबा बालक नाथ के भजनों अरे सुन लो लोगों जाकर सबसे कह दो पोहनाहरी बाबा अपने शहर आ गए हैं आदि भजनों पर श्रद्धालु जमकर झूमे। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को प्रवचन देते हुए मंदिर के मुख्य सेवक रामचरण गुप्ता ने कहा कि हमें बच्चों को अच्छे संस्कार देने चाहिए। बच्चों में दिए गए अच्छे संस्कारों के बाद हमें धन दौलत के पीछे भागने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि हमें अपने माता-पिता व गुरुजनों का आदर करना चाहिए। बड़े बुजुर्गों का किया गया मान सम्मान कभी व्यर्थ नहीं जाता। रामचरण गुप्ता ने कहा कि मनुष्य जीवन अनमोल है इसलिए हमें इस जीवन को व्यर्थ नहीं गंवाना है। प्रवचन के बाद मंदिर में बाबा बालक नाथ जी की आरती की गई व श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

ब्रह्मपुरी तीर्थ स्थल में धूमधाम से मनाया बसंत पंचमी पर्व, शोभा यात्रा निकाली

हिसार। परमहंस योग दरबार ब्रह्मपुरी तीर्थ स्थल, शांति नगर में बसंत पंचमी बड़े धूमधाम से मनाई गई। ब्रह्मदर्शी संत उपरामानंद महाराज के आशीर्वाद से भजन-कीर्तन व सत्संग का आयोजन किया गया। भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने सत्संग में भाग लिया। इससे पूर्व प्रातः डोगरान मौहल्ला स्थित कुटिया मोक्षद्वार से संत रामानंद महाराज के सानिध्य में ब्रह्मपुरी तीर्थ स्थल तक नौ रामायणों के साथ शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा में सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। यात्रा में शामिल हुए श्रद्धालु रामायणों को सिर पर उठाए हुए व रथ को अपने हाथों से खींचते हुए चल रहे थे। असंख्य लोग बसंत के अनुरुप पीले वस्त्र, पीली टोपियां व पीले झंडे लिए हुए थे। रामायणों के पाठ 31 जनवरी को रखे गये थे। ब्रह्मपुरी तीर्थस्थल पर पहुंचने पर हवन किया गया जिसमें श्रद्धालुओं ने आहुति डाली। ध्वजारोहण किया गया एवं रामायण के पाठ का भोग डाला गया। सत्संग समारोह में संत मंडली ने प्रवचन दिए।

बसंत पंचमी पर हवन यज्ञ का आयोजन

आदमपुर। हाउसिंग बोर्ड स्थित संत नामदेव मंदिर में बसंत पंचमी विट्ठल दर्शन समारोह पर संत नामदेव समाज मिलन समारोह व हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। इस मौके पर पंडित सुरेंद्र लाडवी ने संत नामदेव से जुड़े अनेक प्रसंग सुनाते हुए कहा कि संत महापुरुष किसी एक विशेष जाति के नहीं होते हैं बल्कि संपूर्ण मानव जाति की भलाई के लिए कार्य करते हैं। संत नामदेव ने भी हमें मेहनत की कमाई करने तथा बुराइयों से दूर रहकर मिलजुल कर रहने का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि आज के दिन से बसंत ऋतु का भी आगमन हो जाता है एवं आज ही विद्या व कला की देवी मां सरस्वती का भी जन्मदिन है। उन्होंने कहा कि हवन यज्ञ से हमें पुण्य की प्राप्ति होती है तथा वातावरण भी शुद्ध रहता है। समिति के प्रधान गोलू राम ने संत नामदेव के बताए व दिखाएं मार्ग पर चलते हुए संगठित रहने के अपील की। इस मौके पर कृष्ण भोढ़िया, राजाराम पंवार, राधेश्याम देवेंद्र सिंगला, रामेश्वर राजवीर, अनिल कैथ, विनोद पत्रकार, देवीलाल सहित अनेक उपस्थित रहे।

स्थापित - 1936
सर्वेसन्तु निरामया :
डॉ. बनारसी दास शर्मा हस्पताल
मोहल्ला सैनियान, हिसार
मो. 98960-04939
डॉ. साकेत शर्मा, आयुर्वेदाचार्य
3 पीढ़ीयों से आपकी सेवा में
आयुर्वेद चिकित्सा-श्रेष्ठ चिकित्सा
चर्म रोग
सोरायसिस, एग्जीमा, सफेद दाग
Fungal, Acne, बालों का झड़ना, Alcpocia, Urticaria आदि सभी प्रकार के चर्म रोगों के विशुद्ध आयुर्वेदिक उपचार के लिए सम्पर्क करें।